

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण धारण राष्णमठ | ङंदि दिन ङत्रिङै | बैंगलूर और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित



5 पिछली सरकारों की सोच 'कट्टा' और बम तक ही सीमित थी : आदित्यनाथ

6 चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियां

7 बॉक्स ऑफिस पर 'कठप्पु' का दबदबा

फास्ट टैक

प्रधानमंत्री मोदी को मिला नॉर्वे का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

ओस्लो/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोमवार को नॉर्वे के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट' से सम्मानित किया गया। मोदी को यह सम्मान भारत-नॉर्वे संबंधों को आगे बढ़ाने में उनके योगदान और उनके नेतृत्व के लिए दिया गया। यह प्रधानमंत्री मोदी को मिला 32वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। नॉर्वे के राजा हेराल्ड पंचम ने प्रधानमंत्री मोदी को 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट' प्रदान किया। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, "ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट से सम्मानित होकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। यह सम्मान भारत की जनता को समर्पित है और भारत तथा नॉर्वे के बीच अटूट मित्रता का प्रतीक है। यह वैश्विक प्रगति के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।"

ईडी ने आप नेता दीपक सिंगला को धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को दिल्ली और गोवा में छापेमारी के बाद कथित धन शोधन मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता दीपक सिंगला को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सिंगला दिल्ली के विश्वास नगर विधानसभा क्षेत्र से आप के उम्मीदवार थे। ईडी ने 2024 में भी जांच के सिलसिले में उनके घर पर छापे मारा था। धन शोधन का यह मामला बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान कथित तौर पर आपतिजनक दस्तावेज बरामद होने के बाद सिंगला को गिरफ्तार किया गया।

गैंगस्टर इकबाल मीर्जा, उसके परिजनों से जुड़ी 700 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिग्गंगस्टर इकबाल मीर्जा और उसके परिवार से जुड़े एक मामले में मुंबई के वली स्थित तीन प्रमुख इमारतों समेत 700.27 करोड़ रुपये मूल्य की उनकी संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि कुर्क की गई संपत्तियों में मुंबई के वली स्थित राबिया मंशन, मरियम लॉज और सी व्यू शामिल हैं, जिनका मूल्य लगभग 497 करोड़ रुपये आंका गया है। इसके अलावा दुबई में स्थित लगभग 203.27 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी संपत्तियों को भी भण्डा आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफडीओए) के प्रावधानों के तहत कुर्क किया गया है।

कसी भी मुद्दे का समाधान केवल सैन्य संघर्ष से नहीं किया जा सकता

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया व यूक्रेन में संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



ओस्लो/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नॉर्वे के उनके समकक्ष जोनास गहर स्टोर के बीच व्यापक वार्ता हुई जिस दौरान उन्होंने यूक्रेन व पश्चिम एशिया में तनाव को संवाद और कूटनीति के माध्यम से हल करने का आह्वान किया। दोनों नेताओं ने सोमवार को स्विट्जरलैंड, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता, नीली अर्थव्यवस्था, हरित परिवहन, डिजिटल प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष और आर्कटिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए बातचीत की।

मोदी ने मीडिया के लिये टेलीविजन पर प्रसारित अपने संदेश में कहा, भारत और नॉर्वे, दोनों ही नियम-आधारित व्यवस्था, संवाद और कूटनीति में

विश्वास रखते हैं। हम इस बात से सहमत हैं कि किसी भी मुद्दे का समाधान केवल सैन्य संघर्ष से नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा, चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम संघर्ष की शीघ्र समाप्ति और शांति के लिए किए जा रहे हर प्रयास का समर्थन करना जारी रखेंगे। भारत-नॉर्वे संबंधों पर विस्तार से चर्चा करते हुए मोदी ने कहा कि इन संबंधों को हरित

वी.डी. सतीशन ने केरल के मुख्यमंत्री पद की ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

केरल में वाम मोर्चे को सत्ता से बेदखल कर 10 साल के बाद फिर से कांग्रेस नीत यूडीएफ की सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले वी.डी. सतीशन ने सोमवार को यहां सेंट्रल स्टेटियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।



सतीशन के 20 सदस्यीय मंत्रिमंडल को भी राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल में वरिष्ठ और युवा नेताओं को जगह दी गई है। एक समय मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदार माने जा रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चैत्रियला भी मंत्रिमंडल में शामिल किए गए हैं।

सतीशन के 20 सदस्यीय मंत्रिमंडल को भी राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल में वरिष्ठ और युवा नेताओं को जगह दी गई है। एक समय मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदार माने जा रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चैत्रियला भी मंत्रिमंडल में शामिल किए गए हैं।

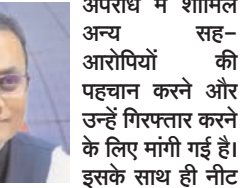
केरल में वाम मोर्चे को सत्ता से बेदखल कर 10 साल के बाद फिर से कांग्रेस नीत यूडीएफ की सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले वी.डी. सतीशन ने सोमवार को यहां सेंट्रल स्टेटियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

बैठक हुई। बैठक में मार्च में विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत के दौरान राहुल गांधी द्वारा घोषित पांच कार्यक्रमों में से दो को लागू करने का फैसला लिया गया। इनमें 15 जून से केएसआरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा और बुजुर्गों के लिए एक समर्पित विभाग स्थापित किया जाना शामिल है। मुख्यमंत्री के अनुसार यह विभाग देश में अपनी तरह का पहला विभाग होगा। चुनाव के दौरान राहुल गांधी द्वारा घोषित अन्य गारंटियों में कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्राओं को हर महीने 1,000 रुपये का वजीफा, सामाजिक कल्याण पेंशन बढ़ाकर 3,000 रुपये करना, प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा और युवा उद्यमियों को पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण देना शामिल है।

नीट पेपर लीक मामले में: कोचिंग सेंटर संस्थापक मोटेगांवकर नौ दिन की सीबीआई हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने नीट पेपर लीक मामले में रेनुकाई करियर सेंटर के संस्थापक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को सोमवार को नौ दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया। अदालत ने कहा कि जांच फिलहाल प्रारंभिक चरण में है।



विशेष सीबीआई अजय गुप्ता ने केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा पृच्छता के लिए 10 दिनों की हिरासत मांगे जाने के बाद, आरोपी से नौ दिनों की हिरासत में पृच्छता की अनुमति दे दी। न्यायाधीश ने केंद्रीय एजेंसी की उन दलीलों पर गौर किया, जिसमें कहा गया कि मोटेगांवकर ने उन सभी लोगों के नामों का खुलासा नहीं किया है, जिन्हें नीट-यूजी 2026 (उसने देशभर के मेडिकल

कॉलेज में दाखिला लेने के लिए अनिवार्य प्रवेश परीक्षा) के लीक हुए प्रश्नपत्रों की हाथ से लिखी प्रतियां मुहैया कराई थीं। न्यायाधीश ने कहा, आरोपी शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को हिरासत इस अपराध में शामिल अन्य सह-आरोपियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए मांगी गई है। इसके साथ ही नीट 2026 परीक्षा और पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े डिजिटल उपकरणों/डिजिटल सवूतों और बातचीत के रिकॉर्ड को बरामद करने व उनका विश्लेषण करने तथा वित्तीय लेन-देन का पता लगाने के लिए भी यह हिरासत आवश्यक है। न्यायाधीश गुप्ता ने कहा कि आरोपी की हिरासत इसलिए भी मांगी गई है ताकि वह सवूतों के साथ आगे कोई छेड़छाड़ न कर सके और इस मामले से जुड़ी बड़ी साजिश का पर्दाफाश किया जा सके।

तमिलनाडु में टीवीके सरकार जल्द बेनकाब हो जाएगी : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

तंजापुर (तमिलनाडु)/भाषा। द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को दावा किया कि तमिलनाडु की तमिलना वेत्री कश्गम (टीवीके) नीत सरकार जल्द ही 'बेनकाब' हो जाएगी।



यहां एक विवाह समारोह में उदयनिधि स्टालिन ने कहा, "सरकार बने महज 10 दिन हुए हैं और महिलाएं, युवा तथा वर्तमान पीढ़ी (जेन-जेड) इस प्रशासन का असली चेहरा पहचानने लगी है। जैसे-जैसे वक्त बीतेगा, सत्ता में बैठे लोग खुद को और भी उजागर करते जाएंगे।" उन्होंने कहा, "वक्त के साथ और भी सच्चायां लोगों के सामने आएंगी।" पूर्व उपमुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा, "इसलिए हम एक बार फिर जनसेवा और जमीनी काम में जुट जाएं।" जैसा हमारे नेता एम.के. स्टालिन हमेशा कहते हैं-सत्ता में रहते हुए ही नहीं, विपक्ष में रहकर

द्रमुक की सत्ता में वापसी का भरोसा जताते हुए उदयनिधि ने कहा कि पार्टी केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है। उन्होंने कहा, "चुनाव में जीत और हार तो लगी रहती है। एक सामाजिक आंदोलन के रूप में द्रमुक हमेशा की तरह जनसेवा में लगी रहेगी और हम भी इस प्रतिबद्धता पर अडिग रहेंगे।"

शुभेंद्रु अधिकारी के सहयोगी की हत्या के मामले में आरोपी उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

मुजफ्फरनगर/बलिया (उप्र)/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में एक वांछित आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी राजकुमार सिंह को मुजफ्फरनगर जिले में दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर हरिद्वार से लौटते समय गिरफ्तार किया गया।

राजनाथ ने यह टिप्पणी वियतनाम की राजधानी हनोई में भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर कहा, जब भी हमारे पड़ोसी देश ने कोई 'नापक हरकत' की है - और 'नापक' से आपको स्पष्ट हो गया होगा कि किसकी करतूतों की बात कर रहा हूँ - तो उसे हर बार मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। अब उसे दोबारा ऐसा नहीं करना चाहिए। राजनाथ ने कहा, कभी-कभी आतंकवाद की मदद से अप्रत्यक्ष रूप से वे भारत को अस्थिर और कणजोर करने की कोशिश करते हैं। लेकिन मैं सरकार की ओर से और देश के रक्षा मंत्रों के रूप में आपको

हमारे पड़ोसी ने जब भी 'नापाक हरकत' की, उसे मुंहतोड़ जवाब दिया गया : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत के पड़ोसी देश ने जब भी कोई नापाक हरकत की है, उसे मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी दुस्साहस का प्रभावी जवाब दिया जाएगा। राजनाथ ने यह टिप्पणी वियतनाम की राजधानी हनोई में भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर कहा, जब भी हमारे पड़ोसी देश ने कोई 'नापक हरकत' की है - और 'नापक' से आपको स्पष्ट हो गया होगा कि किसकी करतूतों की बात कर रहा हूँ - तो उसे हर बार मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। अब उसे दोबारा ऐसा नहीं करना चाहिए। राजनाथ ने कहा, कभी-कभी आतंकवाद की मदद से अप्रत्यक्ष रूप से वे भारत को अस्थिर और कणजोर करने की कोशिश करते हैं। लेकिन मैं सरकार की ओर से और देश के रक्षा मंत्रों के रूप में आपको



आक्षरत करना चाहता हूँ कि अगर भारत की संप्रभुता को खतरे में डालने का कोई भी प्रयास किया गया, तो हमारा देश प्रभावी ढंग से जवाब देने में सक्षम है और भारत प्रभावी ढंग से जवाब देगा। रक्षा मंत्री ने पहलगाम हमले के जवाब में शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी जिक्र किया। जिस मंच से उन्होंने भाषण दिया, उसके पास 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित एक पोस्टर भी लगाया गया था। राजनाथ ने कहा, हमारे रक्षा बलों ने (उस अभियान के दौरान) अद्भुत काम किया। उन्होंने कहा कि जहां तक पहले इस्तेमाल न करने का सवाल है, भारत ने अपनी प्रतिबद्धता कायम रखते हुए पहले इस्तेमाल नहीं किया और यह प्रतिबद्धता आगे भी बनी रहेगी। हालांकि, राजनाथ ने स्पष्ट किया, यह हमारी प्रतिबद्धता है, लेकिन भारत किसी भी तरह की 'परमाणु ब्लैकमेलिंग' स्वीकार नहीं करेगा। रक्षा मंत्री सोमवार को वियतनाम और दक्षिण कोरिया की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। इस यात्रा का उद्देश्य सैन्य उपकरणों के संयुक्त उत्पादन सहित रणनीतिक रक्षा सहयोग को मजबूत करने के तरीकों का पता लगाना है।

महंगाई के मुद्दे पर खरगे का आरोप : प्रधानमंत्री में दूरदर्शिता की कमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बैंगलूर/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में दूरदर्शिता का अभाव है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि हालिया विधानसभा चुनावों से पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतों में



बढ़ोतरी होती तो भाजपा को इसका नुकसान होता। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "अगर प्रधानमंत्री मोदी चुनाव से पहले पेट्रोल-डीजल समेत बाकी चीजों की कीमतें बढ़ा देते तो उन्हें बड़ा नुकसान होता। मोदी सरकार ने चुनाव तक सभी बातों को देश से छिपाकर रखा, लेकिन चुनाव खत्म हो गए तो सभी चीजों की कीमतें बढ़ गईं।" उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और प्रधानमंत्री मोदी में दूरदर्शिता में कमी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "हम इस मुद्दे को उठाएंगे, क्योंकि भाजपा सरकार की यजह से लगातार महंगाई बढ़ रही है। देश के गरीबों को वह जरूरी चीजें भी नहीं मिल पा रही हैं, जिनके वे हकदार हैं।"

अमेरिकी न्याय विभाग ने अदाणी के खिलाफ सभी आरोप वापस लिए, मामला स्थायी रूप से बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी न्याय विभाग ने अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ सभी आपराधिक आरोपों को स्थायी रूप से वापस ले लिया है जिससे न्यूयॉर्क में चल रहा

बहुचर्चित प्रतिभूति एवं धोखाधड़ी मामला पूरी तरह खत्म हो गया है। अमेरिकी अभियोजकों ने अदालत में दाखिल दस्तावेज में कहा कि वे अब इन आरोपों को आगे बढ़ाने में सक्षम नहीं हैं। इसके साथ ही अमेरिका में चल रहे अदाणी समूह से संबंधित सभी मामले पिछले कुछ दिनों में बंद किए जा चुके हैं। अमेरिकी अभियोजकों ने इस्टर्न न्यूयॉर्क की अदालत में कहा कि उन्होंने इस मामले की समीक्षा के बाद अपने 'अभियोजन विवेक' के तहत निर्णय लिया है कि वे इन आपराधिक आरोपों पर आगे संसाधन नहीं लगाएंगे। इसके बाद अदालत ने भी आदेश दिया कि आरोपों को 'स्थायी रूप से खारिज' किया जाए। इसका मतलब है कि यह मामला दोबारा नहीं खोला जा सकता है।

19-05-2026 20-05-2026
सूर्योदय 6:38 बजे सूर्यास्त 5:53 बजे

BSE 75,315.04 (+77.05)
NSE 23,649.95 (+6.45)

सोना 16,085 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम
चांदी 283,288 रु. प्रति किलो

मिशान मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका
epaper.dakshinbharat.com

लाओ बदलाव
हो चुकी जीत अब तो छोड़ो, परिवारवाद का आप राग। भूलो अब उनके पुरखों को, अपने वादों को करो याद। अछड़ा अब नहीं लगे सबको, केवल निंदा या फिर विवाद। छोड़ो चुनाव का रथाई मूड, वर्ना जन में होगा विषाद।
केलाश मण्डेला, मो. 9828233434



सांसद का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



बेंगलूरु प्रवास पर आए पाली लोकसभा क्षेत्र के सांसद पी पी चौधरी का सोमवार को सीरीय समाज के गणमान्य लोगों ने सम्मान किया। बलेपेट वडेर के पूर्व अध्यक्ष शोभाराम चोयल, नारायणलाल लखेटा, सुजाराम रावठोड़, बिलाडा परगना समिति के सचिव जवरीलाल रावठोड़, भंवरलाल काग, जगदीश सेपटा सहित अनेक सदस्यों ने सांसद से मुलाकात कर सम्मान किया।

इच्छा, तृष्णा और अपेक्षाएं जीवन में लाती हैं दुःख : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलारो। शहर के कुडतीनी स्थित पलेद कल्याण मंडप में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जेनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि इच्छाएं मनुष्य को सर्वाधिक दुःखी करती हैं। ज्यों ज्यों इच्छाएं पैदा होती हैं, जीवन के अमूल्य पलों को बरबाद करती जाती हैं। उनका पूरा होना असंभव लगता है और उनका अधूरा रह जाना मन को बेहद बेचैन कर देता है। इसलिए इच्छाओं को पालना जीवन की सबसे बड़ी लाचारी है। मनुष्य की इससे बुरी वयनीय स्थिति शायद और कोई नहीं होती। इच्छा-तृष्णा का मायाजाल बहुत खतरनाक होता है, इनसे निजात पाना सरल नहीं है। ज्यों-ज्यों मनुष्य इच्छाओं का अनुगमन करता है, त्यों-त्यों वे और अधिक बढ़ती चली जाती हैं। उनका कोई किनारा दिखाई नहीं देता। समझो, दिन-रात परिश्रम कर आज हमने अपनी



पचास इच्छाएं ज्यों-ज्यों पूरी कर दो, लेकिन कल सवेरा होले-होले नई सैकड़ों इच्छाएं पैदा हो जाती हैं। हकीकत में इच्छाओं का दमन ही उनकी पूर्णता है। जो मनुष्य इच्छा-तृष्णा के भंवर जाल में उलझे बिना सतोष के पथ पर आगे बढ़ता है, वही सुख-शांति से जीवनयापन कर सकता है।

भगवान महावीरस्वामी ने आचार्यसूत्र में कहा है कि इच्छाएं आकाश की तरह अनंत होती हैं। आचार्यश्री ने कहा कि आधुनिक युग में लोगों के दुःखों का मूल कारण है अत्यधिक मात्रा में इच्छा-तृष्णाओं, अपेक्षाओं और आवश्यकताओं का बढ़ जाना और उनका पूर्ण न होना। माना कि सपने देखने चाहिए पर वे इतने भी बड़े नहीं होने चाहिए कि वे सपने ही रह जाएं और सच न बन सके।

भारत की श्वेता को मिला 'वर्ल्ड एडिशन मास्टर सेलिब्रेशन केक आर्टिस्ट' का अवार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गत चार वर्षों से लगातार श्रीलंका इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्फेक्शनरी एंड कुलीनेरी आर्ट्स संस्थान द्वारा 'वर्ल्ड एडिशन शिवाया केक आर्टिस्ट अवार्ड' का आयोजन होता आ रहा है जिसमें विश्व के अनेक देशों में होम मेड केक आर्टिस्टों की कला परख कर सर्वोत्तम केक आर्टिस्टों को सम्मानित किया जाता है।

इस वर्ष भी यह आयोजन रविवार को कोलम्बो स्थित एक होटल में आयोजित हुआ जिसमें बेंगलूरु की श्वेता जैन को उनके डिजायनर केक की कला के लिए



इस वर्ष का एडवांस श्रेणी में 'मास्टर सेलिब्रेशन केक आर्टिस्ट' का अवार्ड दिया गया। राजस्थान मूल की श्वेता मेहता (जैन) बेंगलूरु में 'ए ट्रीट ऑफ गुडनेस' के नाम से फोन्डेट्री फ्री डिजायनर केक बनाती हैं।

छात्रावास में शराब पीने के बाद अर्धनग्न अवस्था में उपात, 50 इंजीनियरिंग विद्यार्थियों पर जुर्माना

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के एक छात्रावास में कथित तौर पर शराब पीने के बाद अर्धनग्न अवस्था में उपात और तोड़-फोड़ के मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन ने सोमवार को इंजीनियरिंग के कम से कम 50 विद्यार्थियों पर 25,000-25,000 रुपए का जुर्माना लगाने और उनके परीक्षा परिणाम रोकने का फैसला किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य सरकार के विश्वविद्यालय के कुलगुरु राकेश सिंघाई ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि छात्रावास में तोड़-फोड़ से सरकारी संपत्ति को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया, 'घटना में शामिल पाए जाने वाले प्रत्येक विद्यार्थी पर 25,000 रुपए का जुर्माना लगाने का फैसला किया गया है। जांच पूरी होने तक इन विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम रोक दिए गए हैं।'

भाजपा में शामिल होने से इनकार करने पर सिंगला की हुई गिरफ्तारी : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कथित धन शोधन मामले में प्रवर्तन विभाग (ईडी) द्वारा गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के नेता दीपक सिंगला का बचाव करते हुए पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि उन्हें भाजपा में शामिल होने से इनकार करने का दुष्परिणाम भुगताना पड़ रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली और गोवा में तलाशी के दौरान कथित तौर पर आपतिजनक दस्तावेज बरामद होने के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने सिंगला को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, दीपक सिंगला को इसलिए गिरफ्तार नहीं किया गया कि उसने कोई गलत काम किया है। बल्कि,



इसलिए गिरफ्तार किया है, क्योंकि वह भाजपा के खिलाफ काम कर रहे थे और उन्होंने भाजपा में शामिल होने से मना कर दिया। दीपक बहादुर हैं और देश के लिए लड़ रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने सोमवार को आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के नेता सिंगला और कुछ अन्य लोगों से जुड़े परिसरों में कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि दिल्ली और गोवा में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की रा रही है।

रॉयल एनफील्ड 2,500 करोड़ रुपए के निवेश से आंध्र प्रदेश में लगाएगी नया संयंत्र

मुंबई/भाषा। दोपहिया विनिर्माता रॉयल एनफील्ड ने अपनी विस्तार रणनीति के तहत सोमवार को आंध्र प्रदेश में 2,500 करोड़ रुपए के निवेश से नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की योजना की घोषणा की। आयशर मोटर्स समूह की कंपनी ने बताया कि उसने इस संयंत्र के लिए आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के ताडा औद्योगिक क्षेत्र में जमीन का अधिग्रहण किया है। इस संयंत्र पर 2,500 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव है। यह परियोजना कंपनी के निदेशक मंडल की मंजूरी के अधीन है और इसे भविष्य की मांग एवं बाजार परिस्थितियों के अनुरूप चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। चेन्नई स्थित कंपनी के निदेशक मंडल का लगभग 14.6 लाख इकाई प्रति वर्ष है। कंपनी फिलहाल इस क्षमता का लगभग पूरा इस्तेमाल कर रही है। रॉयल एनफील्ड ने फरवरी में तमिलनाडु के चेन्नई में 958 करोड़ रुपए के निवेश से क्षमता विस्तार की घोषणा की थी जिससे कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 20 लाख इकाई प्रतिवर्ष हो जाएगी। आयशर मोटर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) भी. गोविंदराजन ने कहा, आंध्र प्रदेश में यह निवेश हमारी उत्पादन क्षमता को और बढ़ाएगा और अगले चरण की वृद्धि को भी गति देगा।

हरियाणा ने नए नियमों को दी मंजूरी

एनसीआर में 'कैब संचालकों' के लिए पेट्रोल-डीजल वाहनों पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा

मंत्रिमंडल ने सोमवार को 'एपीगेटर लाइसेंस' देने संबंधी नियमों को मंजूरी दे दी, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कैब सेवाएं देने वाले एपीगेटर, डिलिवरी सेवा प्रदाता और ई-कॉमर्स कंपनियों के बेड़े में शामिल किए जाने वाले सभी वाहन अनिवार्य रूप से सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), बैटरी चालित वाहन (बीओवी) या अन्य स्वच्छ ईंधन आधारित होंगे। इसके अलावा, एनसीआर में मौजूदा बेड़े में केवल सीएनजी या इलेक्ट्रिक तिपहिया ऑटो-रिक्शा को ही अतिरिक्त रूप से शामिल करने की अनुमति होगी।

राज्य के मुख्यमंत्री नारायण सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा मोटर वाहन नियम, 1993 के तहत एपीगेटर लाइसेंस देने संबंधी नियमों को मंजूरी दी गई। यह मंजूरी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के दिशानिर्देशों तथा वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों के अनुरूप दी गई है।



सीएक्यूएम ने पिछले वर्ष जून में निर्देश दिया था कि एक जनवरी, 2026 से दिल्ली-एनसीआर में संचालित कैब एपीगेटर, डिलिवरी और ई-कॉमर्स कंपनियों के बेड़े में नए पेट्रोल या डीजल वाहन शामिल नहीं किए जाएंगे।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह निर्णय स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने, वाहनों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने और एनसीआर के जिलों में वायु गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से लिया गया है। बयान में कहा गया, संशोधित नियमों के तहत एक जनवरी, 2026 से एनसीआर क्षेत्रों में एपीगेटर, डिलिवरी सेवा प्रदाताओं और ई-कॉमर्स इकाइयों के बेड़े में शामिल किए जाने वाले सभी वाहन अनिवार्य रूप से सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी),

बैटरी चालित वाहन (बीओवी) या अन्य स्वच्छ ईंधन आधारित होंगे।

मंत्रिमंडल ने हरियाणा मोटर वाहन नियम, 1993 के नियम 86ए में संशोधन को भी मंजूरी दी, ताकि राज्य में ऐप आधारित यात्री एपीगेटर और डिलिवरी सेवा प्रदाताओं के लिए व्यापक नियामकीय ढांचा तैयार किया जा सके। नए प्रावधानों में एपीगेटर और डिलिवरी सेवा प्रदाताओं के लिए अनिवार्य लाइसेंस, चालकों और वाहनों के पंजीकरण मानदंड, यात्रियों की सुरक्षा उपाय, शिकायत निवारण प्रणाली, प्रशिक्षण कार्यक्रम, चालकों और यात्रियों के लिए बीमा कवर, एप के लिए साइबर सुरक्षा अनुपालन और किराया विनियमन शामिल हैं। मंजूरी नियमों के अनुसार, एपीगेटर और डिलिवरी सेवा प्रदाताओं को यात्रियों के लिए न्यूनतम पांच लाख रुपए का बीमा कवर, चालकों के लिए कम से कम पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा और पंजीकृत चालकों के लिए न्यूनतम 10 लाख रुपए का सावधि बीमा सुनिश्चित करना होगा। नियमों के तहत संबंधित वाहनों में वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिविडस, पैनिक बटन, प्राथमिक उपचार किट और अग्निशमक यंत्र लगाना भी अनिवार्य किया गया है।

'प्रतिचक्रिय पूंजी बफर' व्यवस्था को फिलहाल लागू करने की जरूरत नहीं : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने

सोमवार को कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में 'प्रतिचक्रिय पूंजी बफर' (सीसीआईबी) को सक्रिय करने की आवश्यकता नहीं है। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों की समीक्षा और आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर फिलहाल यह कदम जरूरी नहीं माना गया है।

प्रतिचक्रिय पूंजी बफर एक ऐसा अतिरिक्त पूंजी प्रावधान है, जिसे बैंकों को अच्छे आर्थिक दौर में अलग रखना होता है। इसका उद्देश्य है कि भविष्य में आर्थिक स्थिति कमजोर होने की स्थिति में बैंक इस पूंजी के सहारे कर्ज देना जारी रख सकें और अर्थव्यवस्था में नकदी की कमी न आए। आरबीआई के 'वाणिज्यिक

बैंकों के लिए पूंजी पर्याप्तता मानदंड, 2025' के तहत निर्धारित ढांचे के अनुसार, सीसीआईबी को जरूरत पड़ने पर लागू किया जाएगा और आमतौर पर इसके फैसले की पहले से घोषणा की जाती है।

इस व्यवस्था में 'ऋण एवं जीडीपी अंतराल' को प्रमुख संकेतक के रूप में देखा जाता है यानी अर्थव्यवस्था के आकार के मुकाबले कर्ज कितनी तेजी से बढ़ रहा है। कर्ज के असामान्य रूप से बढ़ने को संभावित जोखिम का संकेत माना जाता है। आरबीआई ने कहा, 'सीसीआईबी संकेतकों के विश्लेषण के आधार पर फिलहाल 'प्रतिचक्रिय पूंजी बफर' लागू नहीं करने का फैसला किया गया है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, इस व्यवस्था का मकसद एक तरफ बैंकों को अच्छे समय में मजबूत बनाना है, वहीं जरूरत से ज्यादा कर्ज वितरण पर लागू माना भी है। यह ढांचा 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद बैंकिंग प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया था।

पांच नाबालिगों ने सद्विध पाकिस्तानी आतंकवादियों को जासूसी में मदद की : एनआईए

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण

अधिकरण (एनआईए) ने सोमवार को पाकिस्तान से जुड़े एक आतंकी षड्यंत्र से संबंधित मामले में पांच नाबालिगों के खिलाफ अपनी जांच रिपोर्ट दाखिल की। अधिकारियों ने बताया कि इस षड्यंत्र में भारत की सुरक्षा को खतरने में डालने के इरादे से आरोपियों पर संवेदनशील स्थानों की जासूसी करने का आरोप है।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के कौशांबी पुलिस थाने में मार्च में दर्ज किए गए जासूसी मामले में अब तक कुल 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इन आरोपियों ने रेलवे स्टेशनों के संवेदनशील स्थानों पर सौर ऊर्जा से चलने वाले कैमरे लगाने और उनसे पाकिस्तानी से संदिग्ध आतंकवादियों को सीधे जानकारी उपलब्ध कराने का आरोप है।

मैं माकपा में दरकिनार नहीं, हार के कारणों की समीक्षा करेंगे: शैलजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम/भाषा। माक्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की वरिष्ठ नेता के. शैलजा ने सोमवार को पार्टी के भीतर उन्हें दरकिनार किए जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि वाम दल हाल में हुए केरल विधानसभा चुनाव में अपनी हार के कारणों का विश्लेषण करेगा।

पार्टी की एक बैठक में भाग लेने के बाद नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए केरल सरकार की पूर्व मंत्री ने कहा कि पार्टी इस झटके के कारणों का मूल्यांकन करेगी। पेरारूर से विधानसभा चुनाव हारने वाली शैलजा ने कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) उनसे पाकिस्तानी से संदिग्ध आतंकवादियों को सीधे जानकारी उपलब्ध कराने का आरोप है।



हमारे लिए एक अप्रत्याशित परिणाम था। उन्होंने स्वीकार किया कि एलडीएफ को बहुत बड़ा झटका लगा है क्योंकि 2021 के चुनाव में इसकी संख्या 99 सीटों से घटकर 2026 में 35 रह गई। उन्होंने कहा, 'हम हार के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। हम आकलन कर रहे हैं कि क्या बदलाव और सुधार की जरूरत है। मोर्चे का कमजोर होना राज्य के लिए अच्छा नहीं है।' उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराय विजयन को विधानसभा में विपक्ष का नेता बनाने का बचाव किया। उनके अनुसार, विजयन पार्टी के पोलिट ब्यूरो सदस्य हैं और इस पद के लिए किसी अन्य नेता के नाम पर विचार नहीं किया जा सकता।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत: एन चंद्रशेखरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टाटा

कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि मजबूत जनसांख्यिकी, डिजिटल बुनियादी ढांचे और सरकार के सहायक उपायों के दम पर वैश्विक स्तर पर अस्थिर माहौल के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी हुई है।

टाटा संस के चेयरमैन चंद्रशेखरन ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य अब तेजी से बदल रहा है, जिससे उच्च अस्थिरता और कम स्पष्टता वाला माहौल बन गया है। उन्होंने कहा कि दुनिया अब ऐसे दौर में काम कर रही है, जहां बड़े



संरचनात्मक बदलाव, भू-राजनीतिक संवेदनशीलता और तेज प्रौद्योगिकी प्रगति देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा, इससे भारतीय उपमहाद्वीप का बाजार को मजबूत आधार मिला है, जहां प्रीमियम उत्पादों, स्वास्थ्य एवं कल्याण और डिजिटल माध्यमों से खरीदारी की प्रवृत्ति लगातार बढ़ रही है।

चतुर्विध संघ में ज्ञान की वृद्धि करने में समर्पित रहते हैं उपाध्याय : आचार्यश्री पार्श्वचंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेशबाग में आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान साधना में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी ने कहा कि मोक्ष मार्ग की आराधना के लिए सर्वप्रथम ज्ञान आवश्यक है, तत्पश्चात् आचरण। सम्यक ज्ञान के बिना सम्यक चरित्र की प्राप्ति नहीं हो सकती है। नवकार मंत्र में चौथे पद के धारक उपाध्याय परमेष्ठी स्वयं ज्ञान की निरंतर अभिवृद्धि करते हैं और संघ को सभ्यता प्रदान करने हेतु समर्पित रहते हैं। उन्होंने कहा कि नीले आकाश की तरह ज्ञान भी अनंत है। इसलिए पूर्वाचार्यों ने

उपाध्याय के वर्णन में नीले वर्ण की प्रतीकात्मक परिकल्पना की। जयधुरंधरमुनिजी ने कहा कि कर्मों के आवरण से आत्मा के जो गुण आवृत्त हो गए हैं उन आवरणों को उपधान तप की साधना हटाती है। उपधान सम्यक ज्ञान, दर्शन की आराधना के साथ सम्यक तप की साधना है। यह सम्यक दर्शन को पुष्ट बनाने की साधना, चरित्र को उन्नत बनाने की आराधना है जो अज्ञान के अन्धकार को दूर करती है और आत्मा में एक नए उत्साह का संचार करती है जो मोक्ष मार्ग की ओर आगे बढ़ाता है। जयकलशमुनि ने सुख हो या दुःख हर परिस्थिति में समभाव रहने की बात कहते हुए गीत प्रस्तुत किया। जयधुरंधरमुनिजी ने तीर्थंकर भगवान के गुणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे स्वयं मुक्ति की उत्कृष्ट

साधना कर संसार सागर से तिरने वाले एवं मोक्ष मार्ग की प्ररूपणा कर भव्य जीवों को संसार सागर से तारने वाले होते हैं। जयसुबोधमुनिजी ने आवेग एवं संवेग में अंतर बताते हुए संसार में ऊपर उठने की प्रेरणा दी। प्रातः समणी निदेशिका सुयशनिधि ने अनुप्रेहा ध्यान साधना का प्रशिक्षण दिया। प्रचार प्रसार प्रभारी जेके महावीरचंद चोरड़िया ने गतिविधियों की जानकारी दी। इस मौके पर अनेक संघ के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में अक्षय तृतीया पारणा महासत्त्व पर सेवा देने वाले विभिन्न संघों एवं संस्थाओं का सम्मान जयमन जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष मीतालाल लोढा सहित अन्य पदाधिकारियों ने किया।



चार दिवसीय चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापथ भवन में तेरापथ सभा के तत्वावधान में जैन विद्या एवं समण संस्कृति संकाय के अंतर्गत ज्ञानशाला का चार दिवसीय चरित्र निर्माण शिविर का समापन रविवार

को हुआ। सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत किया। महासभा के उपाध्यक्ष प्रकाश लोढा ने चरित्र निर्माण शिविर की उपयोगिता बताई। समण संस्कृति संकाय संयोजक जुगाराज श्रीश्रीमाल ने शिविर के बारे में जानकारी दी। बच्चों द्वारा 'आध्यात्मिक शार्क टैंक' नामक रोचक कार्यक्रम का

आयोजन किया गया। शिविर के प्रायोजक प्रकाश बाबेल का सभा द्वारा सम्मान किया गया। बाबेल ने कहा कि बच्चों में संस्कार निर्माण हेतु इस तरह के शिविरों के आयोजन बहुत अनिवार्य हैं।

अनेक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया ने धन्यवाद दिया। गौतम डोसी ने संचालन किया।

आतंकी-गैंगस्टर गटजोड़ का मंडाफोड़, दो सदस्य गिरफ्तार: पंजाब पुलिस

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने सोमवार को कहा कि उसने एक आतंकी-गैंगस्टर गटजोड़ का मंडाफोड़ करते हुए इसके दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है और उनसे तीन अवैध हथियार और 11 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार

किए गए आरोपियों की पहचान अनुराज उर्फ गौरव मसीह और अंकुश के रूप में हुई है। दोनों जालंधर के फिल्लोर के निवासी हैं।

पुलिस के अनुसार अंकुश आदतन अपराधी है और इससे पहले भी हत्या के प्रयास के मामले में उसके खिलाफ गोरया थाने में मामला दर्ज किया गया था।



जनता और सरकार के बीच संवाद का माध्यम बन रही जनसुनवाई : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अपने आवास पर जनसुनवाई आयोजित की, जहां उन्होंने राज्यभर से आए लोगों की शिकायतें सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। बयान में कहा गया है कि जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और अन्य नागरिकों से बातचीत की और अधिकारियों को उनकी शिकायतें तुरंत निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की जनसुनवाई सरकार और जनता के बीच संवाद और विश्वास को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। अच्छे शासन पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

कांग्रेस का नीट पेपर लीक पर विरोध, 21 मई को भाजपा कार्यालय का करेंगे घेराव

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को नीट-2026 पेपर लीक मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मप्रधान के इस्तीफे एवं राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी को भंग करने की मांग की। कांग्रेस ने बताया कि यह विरोध 21 मई को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा के नेतृत्व में होगा। पार्टी कार्यकर्ता जयपुर स्थित भाजपा मुख्यालय का घेराव करेंगे। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने कहा कि पेपर लीक ने लाखों छात्रों के भविष्य को खतरने में डाल दिया है और इससे केंद्र सरकार एवं राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की गंभीर लापरवाहियां उजागर हुई हैं। उन्होंने इसमें भाजपा नेताओं की संलिप्तता का भी आरोप लगाया और कहा कि पिछले दो वर्षों में भी ऐसे पेपर लीक हुए, लेकिन सख्त कार्रवाई नहीं की गई। चतुर्वेदी ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता सुबह पार्टी मुख्यालय पर एकत्र होंगे और शहीद स्मारक होते हुए भाजपा कार्यालय तक मार्च करेंगे, जहां वे प्रदर्शन करेंगे। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।



राजस्थान में हीट वेव का कहर

भीषण गर्मी से जनजीवन बेहाल

राजस्थान में भीषण गर्मी, बाड़मेर में तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा

जयपुर। राजस्थान भीषण गर्मी की चपेट में है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 42 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है। मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे में बाड़मेर सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जयपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, इस समाह राज्यभर में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में लू जैसी स्थिति रहने का अनुमान है। विभाग ने अगले चार से पांच दिनों तक पश्चिमी, उत्तरी और पूर्वी राजस्थान में 2030 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज धूल भरी आंधी चलने का पूर्वानुमान जताया है। प्रशासन ने लोगों को गर्मी से बचाव के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी है, क्योंकि आने वाले दिनों में तापमान के अधिक रहने की संभावना है।

जयपुर जिले के विधायक एवं जनप्रतिधियों की मौजूदगी में हुई बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर जिला कलक्टर समन्वयक को जिला विकास समन्वयक एवं निगरानी समिति की बैठक का आयोजन हुआ। जयपुर ग्रामीण सांसद श्याम राजेन्द्र सिंह, जयपुर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा एवं सीकर सांसद अमरनाथ की मौजूदगी में आयोजित हुई बैठक में जिले में बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य सहित जनहित से जुड़े अहम बिन्दुओं पर चर्चा हुई। जयपुर सांसद ने कहा कि पेयजल आम आदमी की मूलभूत आवश्यकता है। गर्मी के मौसम को देखते हुए जयपुर शहर में पेयजल की माकूल व्यवस्था सुनिश्चित करने के



निर्देश जलदाय विभाग को दिए हैं। उन्होंने आगामी 15 दिवस में जयपुर जिले में बेहतर पेयजल व्यवस्था हेतु स्वीकृत एमपी एमएलए लेड के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रदान किए हैं। उन्होंने एक सप्ताह उपरांत जयपुर जिले की पेयजल समस्याओं के निराकरण के संबंध में पुनः बैठक आयोजित करने के निर्देश जिला कलक्टर जयपुर को दिए। उन्होंने मानसून से पूर्व शहर के सभी नाले-नालियों की सफाई



विधानसभा का प्रतीक चिन्ह राजस्थान की संस्कृति का द्योतक : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनाथी ने सोमवार को राजस्थान विधानसभा के 75वें वर्ष पर विधान सभा के प्रतीक चिन्ह का विमोचन और विधानसभा के 13 द्वारों के नामकरण पट्टिका का अनावरण कर अमृत महोत्सव का उद्घोष किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का पवित्र सदन है। राजस्थान विधानसभा का गौरवमय इतिहास रहा है। स्वतंत्र भारत में भले ही 1952 में विधानसभा गठित हुई परन्तु राजस्थान में 1913 में स्वतंत्रता से पूर्व ही महाराजा गंगा सिंह ने प्रतिनिधि सभा की स्थापना कर विधानसभा की शुरुआत कर दी थी। विधान सभा के अमृतकाल के अवसर पर प्रतीक चिन्ह का लोकार्पण महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष देवनाथी की पहल पर तैयार लोगो राजस्थान के जन मानस की सोच का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने प्रतीक चिन्ह में सम्मिलित राज्य वृक्ष खेजड़ी और विधान सभा भवन की छवियों की चर्चा करते हुए कहा कि यह राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों में भी उत्सवधर्मिता से जीवन जीने वाले लोगों की जीवटता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि खेजड़ी तो राजस्थान का कल्प वृक्ष है। खेजड़ी के लिए हुए बलिवान की वृक्ष संस्कृति की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि ऊँट और गोडवान का समावेश समन्वय की संस्कृति का द्योतक है।

राज्यपाल ने भारत की पहली लोक सभा के अध्यक्ष गोेश वासुदेव मावलंकर की चर्चा करते हुए कहा कि एक बार उनके पास एक व्यक्ति आया और बोला मैं अर्थशास्त्र पढ़ाता हूं। आपको प्रबंध से जुड़ी विशेषज्ञता चाहिए तो बताएं।

मावलंकर ने देखा कि उसने आवश्यकता से अधिक भोजन थाली में लिया और खाने के पश्चात उसमें से भी बहुत सारा छोड़ दिया। यह बोले तुम अपने भोजन का प्रबंध तो ठीक से कर नहीं सकते फिर दूसरा प्रबंध कैसे करोगे। बागडे ने कहा कि जीवन में आदर्श आचरण के साथ सभी चीजों का प्रबंधन व्यवहार में आना जरूरी है। उन्होंने पिछड़े और गरीब लोगों की शिक्षा प्रबंधन को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि देश शिक्षा से ही आगे बढ़ता है। बच्चों का टेलेंट प्रगति में सहयोगी होता है। शिक्षा को व्यवहार में लाने की जरूरत है। सभी स्कूल अच्छे कैसे हों, वहां व्यवहारिक शिक्षा कैसे मिले, इस पर सभी मिलकर सोचें। राज्यपाल ने महाराष्ट्र में विधानसभा अध्यक्ष रहने के अपने संस्मरण भी साझा किए और कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब हम अधिकारों के साथ कर्तव्य के प्रति

भी सजग रहें। उन्होंने विधानसभा द्वारों के नामकरण के अंतर्गत राजस्थान की शौर्य और वीरता की धरती से जुड़े स्थानों के समावेश की सराहना की।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनाथी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा के अमृतकाल में हमारा सकल्प और भावी दृष्टिकोण जनता का अटूट विश्वास है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान विधान सभा देश की ऐसी विधान सभा बन गई है, जिसका प्रतीक चिन्ह (लोगो) बनाया गया है। लोकतंत्र, जनविश्वास और संवैधानिक मर्यादाओं की सतत साधना के गौरवपूर्ण इतिहास की साक्षी राजस्थान विधान सभा ने राजपूताना की रियासतों से निकलकर आधुनिक राजस्थान के निर्माण, लोकांत्रिक मूल्यों की स्थापना और जनप्रतिनिधित्व की परंपरा को सशक्त बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है।

कोटा के सरकारी अस्पताल में सर्जरी के बाद की जटिलताओं के कारण गर्भवती महिला की मौत

पिछले सप्ताह अस्पताल में शिरीन की गर्भाशय की साधारण सर्जरी हुई थी और बाद में परिवार की मांग पर उसे सरकारी अस्पताल से उनकी पसंद के स्वास्थ्य केंद्र में रेफर किया गया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) में रविवार दोपहर सर्जरी के बाद उत्पन्न जटिलताओं के कारण पांच महीने की गर्भवती महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शिरीन (20) पांच महीने की गर्भवती थी और छह मई को उसकी गर्भाशय की साधारण सर्जरी हुई थी, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे पेशाब संबंधी जटिलताएं होने लगीं।

अधिकारियों के मुताबिक, बाद में शिरीन को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और शनिवार को फिर से एनएमसीएच लाया गया, जहां रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे उसकी मौत हो गई। इससे पहले, पिछले हफ्ते कोटा के जेके लोन हॉस्पिटल और एनएमसीएच में सिजेरियन प्रसव के बाद की जटिलताओं के कारण चार महिलाओं की मौत हो गई थी। ताजा मामले के साथ इस तरह हुई मौतों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है।

इस बीच, एनएमसीएच के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में पांच अन्य महिलाओं की हालत स्थिर बताई गई है, जबकि एक महिला को स्वस्थ होने के बाद इस सप्ताह पहले ही छुट्टी दे दी गई थी।

परिजन ने आरोप लगाया कि एनएमसीएच के चिकित्सकों ने उन्हें उसी दिन शिरीन को निजी अस्पताल ले जाने के लिए मजबूर किया था, जिसके बाद वे उसे निजी अस्पताल ले गए।

शिरीन के चाचा मोहम्मद एजाज ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से मुफ्त आईसीयू और जांच सुविधा के निर्देश होने के बावजूद परिवार ने निजी अस्पताल में इलाज और दवाओं पर करीब चार लाख रुपये खर्च किए। एजाज ने बताया कि शनिवार को परिवार ने शिरीन को फिर से निजी अस्पताल में एनएमसीएच लाने का फैसला किया, लेकिन रविवार को उसकी मौत हो गई।

एजाज ने आरोप लगाया कि पिछले सप्ताह मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों ने परिवार पर शिरीन को निजी अस्पताल ले जाने का दबाव बनाया था। एनएमसीएच के अतिरिक्त प्रचारकों डॉ. आरपी मीणा ने कहा कि गंभीर हालत में वॉटेलर पर रखी गई शिरीन को शनिवार को निजी अस्पताल से लाया गया था और रविवार दोपहर उसकी मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह अस्पताल में शिरीन की गर्भाशय की साधारण सर्जरी हुई थी और बाद में परिवार की मांग पर उसे सरकारी अस्पताल से उनकी पसंद के स्वास्थ्य केंद्र में रेफर किया गया था। डॉ. मीणा ने बताया कि शनिवार को परिवार ने शिरीन को फिर से एनएमसीएच में भर्ती करा दिया।

प्रदेश में 56 हजार वरिष्ठजन करेंगे तीर्थ दर्शन

जयपुर। प्रदेश सरकार के देवस्थान विभाग की महत्वपूर्ण वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना - 2026 के तहत 50 हजार को रेल एवं 6 हजार वरिष्ठजनों को हवाई मार्ग से निःशुल्क तीर्थ यात्रा का लाभ प्रदान किया जाएगा। देवस्थान विभाग आयुक्त लक्ष्मी नारायण मंत्री के अनुसार उक्त यात्रा के संबंध में विभाग द्वारा शीघ्र नवीन आवेदन प्राप्त किए जाएंगे जिसकी सूचना विभागीय वेबसाइट <http://devasthan.rajasthan.gov.in> के माध्यम से प्रदान की जाएगी। देवस्थान आयुक्त ने बताया कि प्रदेश सरकार की बजट घोषणा के तहत वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा - 2026 के लिए प्रदेश के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों को देश में सुप्रसिद्ध 15 जन आस्था के तीर्थ स्थलों पर रेल व हवाई मार्ग द्वारा निःशुल्क यात्रा करवाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि हवाई मार्ग द्वारा तीर्थ स्थल पशुपतिनाथ काठमांडू नेपाल की निःशुल्क यात्रा का प्रावधान है।

अतिरिक्त आयुक्त देवस्थान गिरीश मालवीया ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदनकर्ता का राजस्थान राज्य का मूल निवासी होना आवश्यक है। आवेदक आवेदन स्वयं एवं उचित मित्र के माध्यम से कर सकते हैं।



मरीजों को गर्मी में राहत देने के लिए व्यवस्थाएं और सुदृढ़ करने के शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने सोमवार को मथुरादास माथुर अस्पताल, जोधपुर का औपचारिक निरीक्षण कर विभिन्न चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपचार व्यवस्था, ट्रॉमा सेवाओं, आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं तथा मरीजों एवं उनके परिजनों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्रीमती राठौड़ ने ट्रॉमा सेंटर, सीटी स्कैन एवं एक्स-रे विंग, ओपीडी सेक्शन, आपातकालीन विभाग, आईसीयू-डी रेड जॉन, ट्रॉमा केंजुअल्टी वाड्ड तथा मल्टी लेवल

आईसीयू वाड्ड का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न इकाइयों में व्यवस्थाओं की जांच करी लेते हुए उपचाराधीन मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर उन्हें मिल रही चिकित्सा सुविधाओं, उपचार व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान श्रीमती राठौड़ ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि भीषण गर्मी को देखते हुए मरीजों एवं उनके साथ आने वाले परिजनों को अधिक राहत उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अस्पताल परिसर में कूलिंग सिस्टम, छायादार टेंट, पेयजल एवं बेंचों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बड़ी संख्या में मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं, ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि किसी भी मरीज को अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। ओपीडी

एवं पंजीयन व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए श्रीमती राठौड़ ने मरीजों के रजिस्ट्रेशन एवं पर्ची बनवाने में लगने वाले समय की जानकारी ली। उन्होंने आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त काउंटर संचालित करने तथा भीड़ प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए ताकि मरीजों को त्वरित सेवाएं उपलब्ध हो। ट्रॉमा सेंटर निरीक्षण के दौरान प्रमुख शासन सचिव ने ट्रॉमा प्रबंधन एवं आपातकालीन सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि एमडीएम अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में ट्रॉमा केस पहुंच रहे हैं, ऐसे में ट्रॉमा सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने, मैनपावर की प्रभावी तैनाती तथा लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता से पूर्ण करने की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधारभूत चिकित्सा संरचना को

और मजबूत किया जाए ताकि मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध हो सके।

निरीक्षण के उपरांत मीडिया से संवाद करते हुए श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार सरकारी अस्पतालों में आने वाले प्रत्येक मरीज को निःशुल्क दवा, निःशुल्क जांच, एवं निःशुल्क ऑपरेशन उपलब्ध करवाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि किसी रस्तर पर मरीज को सुविधा उपलब्ध नहीं होने की शिकायत प्राप्त होती है तो उसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों में संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके तथा मरीजों पर किसी प्रकार का आर्थिक भार नहीं पड़े।

देश के पहले आरआरटीएस नेटवर्क से जुड़ेगा राजस्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता से राजस्थान को नई दिल्ली से तेज, सुरक्षित और विश्वस्तरीय परिवहन नेटवर्क के लिए जोड़ने वाली रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना को नई गति मिली है। राज्य सरकार और हरियाणा सरकार के बीच सहमति बनने से अब आने वाले समय में राजस्थान नमो भारत नेटवर्क से जुड़ेगा और दिल्ली से अलवर के बीच नमो भारत ट्रेन का संचालन संभव हो सकेगा। नई दिल्ली के सराय काले खां से शुरू होने वाला दिल्ली-गुरुग्राम-एराणवी-अलवर कोरिडोर मुनिरका, एरोसिटी, गुरुग्राम, बावल होते हुए एराणवी से खैरथल एवं अलवर तक पहुंचेगा। वहीं, एराणवी से

इसका दूसरा हिस्सा नीमराणा, बहरोड़ होते हुए सोलानाला तक विस्तारित होगा। इससे राजस्थान के भिवाड़ी एवं नीमराणा सहित एनसीआर के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा तथा निवेश व रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उल्लेखनीय है कि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए तैयार 'एकीकृत परिवहन योजना' के तहत क्षेत्र के प्रमुख शहरों को आधुनिक एवं तीव्र परिवहन प्रणाली से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके प्रथम चरण में दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ, दिल्ली-गुरुग्राम-एराणवी-अलवर तथा दिल्ली-पानीपत-करनाल कोरिडोर को नमो भारत कोरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन कोरिडोरों में से दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कोरिडोर का लोकार्पण भी हो चुका है। इस पूरी परियोजना के अन्तर्गत कुल 196 किलोमीटर लंबा नमो

भारत नेटवर्क एवं 22 मुख्य स्टेशन प्रस्तावित हैं, जो क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नई मजबूती प्रदान करेंगे। राजस्थान में इस परियोजना की कुल लंबाई 91 किलोमीटर होगी और इसमें 6 स्टेशन प्रस्तावित हैं।

यह नेटवर्क 160 किलोमीटर प्रति घंटा की उच्च गति जैसी सुविधाओं से लैस होगा। नमो भारत नेटवर्क के तैयार होने से इंटर-ऑपरेबल भी बनाया जा रहा है, जिससे यात्री एक कोरिडोर से दूसरे कोरिडोर तक निर्बाध और त्वरित यात्रा कर सकेंगे। दिल्ली के सराय काले खां स्टेशन पर ये कोरिडोर परस्पर जुड़ेंगे। आरआरटीएस ट्रेनों का संचालन डेडिकेटेड एवं एलिक्ट्रिक कोरिडोर पर किया जाएगा, जिससे यह सड़क यातायात और जाम से पूरी तरह मुक्त रहेगा।

साथ ही, इस पूरे नेटवर्क को रेलवे स्टेशन, बस टर्मिनल (आईएसबीटी), एयरपोर्ट और

दिल्ली मेट्रो से जोड़ा जाएगा। रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) सार्वजनिक परिवहन का एक अत्याधुनिक मॉडल है, जिसे विशेष रूप से एनसीआर क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इसकी ट्रेनें मेट्रो की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक गति से संचालित होती हैं। जहां मेट्रो मुख्यतः एक शहर के भीतर यात्रा का माध्यम है, वहीं आरआरटीएस निटवर्क शहरों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक ढंग से जोड़ने का कार्य करती है।

हरियाणा और राजस्थान के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों से होकर गुजरने वाला दिल्ली-गुरुग्राम-एराणवी-अलवर कोरिडोर न केवल एनसीआर क्षेत्र में आवागमन को तेज एवं सुगम बनाएगा, बल्कि राजस्थान में औद्योगिक विकास एवं आधारभूत संरचना के विस्तार के नये युग का सूत्रधार बनेगा।

ऊर्जा एवं टोंक जिला प्रमारी मंत्री हीरालाल नागर ने देवली में दिव्यांगों को टी स्कूटी की सौगात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 18 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला, श्रमिक, युवा, किसानों को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक दृष्टि से मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को जागरूक करने का कार्य किया, ताकि एक भी पात्र व्यक्ति अपने हक से वंचित नहीं रहे। उर्जा मंत्री ने कहा कि सरकार के विधायक कोष से स्थानीय विधायक राजेन्द्र गुर्जर द्वारा आप सभी को 59 स्कूटियों का वितरण किया जा रहा है। आपके विधायक आमजन की व्यक्तिगत समस्याओं को लेकर

दिव्यांगजनों के स्कूटी वितरण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश में विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। हमारी सरकार ने हाल ही में ग्राम विकास रथों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं को लेकर आमजन को जागरूक करने का कार्य किया, ताकि एक भी पात्र व्यक्ति अपने हक से वंचित नहीं रहे।

उर्जा मंत्री ने कहा कि सरकार के विधायक कोष से स्थानीय विधायक राजेन्द्र गुर्जर द्वारा आप सभी को 59 स्कूटियों का वितरण किया जा रहा है। आपके विधायक आमजन की व्यक्तिगत समस्याओं को लेकर

बेहद संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग भाई-बहनों को स्कूटी मिलने से उनका जीवन सुगम हो सकेगा। उन्हें रोजमर्रा के कामों में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

नागर ने कहा कि जनहितैषी योजनाओं को लेकर राज्य सरकार वंचित वर्ग के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। खाद्य सुरक्षा योजना में हमारी सरकार ने 85 लाख नाम जोड़कर पात्र लोगों को राहत दी है। 24 जिलों के किसानों को दिन के समय बिजली आपूर्ति की जा रही है, जो कि वर्ष 2027 तक प्रदेश भर में उपलब्ध होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लखीमपुर खीरी में वैन और ट्रक की टक्कर में 10 लोगों की मौत, प्रधानमंत्री ने शोक जताया

लखीमपुर खीरी (उप्र)/भाषा। लखीमपुर खीरी जिले के धौरहरा क्षेत्र के ईसानगर थाना इलाके में सोमवार सुबह एक मैजिक वैन और ट्रक की टक्कर में चालक और दो महिलाओं समेत 10 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दुर्घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजन तथा घायलों को आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। धौरहरा के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि हादसा सिसैया-लखीमपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-730 पर ईसानगर और धौरहरा कोतवाली क्षेत्र की सीमा पर उंचगांव और भरहेता गांव के बीच हुआ। उन्होंने बताया कि यह वैन लखीमपुर से बहराइच की ओर जा रही थी और इसमें चालक के अलावा नौ यात्री सवार थे। सिंह ने बताया कि मैजिक वैन और ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हुई, जिसमें वैन में सवार सभी लोगों की जान चली गई।



झारखंड के सर्वांगीण विकास के लिए मानव संसाधन को मजबूत कर रही है सरकार : हेमंत सोरेन

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को कहा कि सरकार राज्य के समग्र विकास को गति देने के लिए विभिन्न विभागों में मानव संसाधन को मजबूत कर रही है। सोरेन ने यह बात प्रोजेक्ट भवन में 316 नवनिर्भर शिक्षकों और 17 महिला पदविकिर्ताओं को नियुक्ति पत्र सौंपने के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास में तेजी लाने के लिए विभिन्न विभागों में मानव संसाधन को मजबूत करने का प्रयास कर रही है। आपके (नवनिर्भर कर्मियों) माध्यम से हम गांवों, विशेषकर बच्चों और महिलाओं से जुड़ेंगे और उन्हें भविष्य के लिए और मजबूत बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड सामाजिक और भौगोलिक रूप से अल्पसंख्यक से अलग है, और यहां के लोगों ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर, विशेषकर खेल और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। नेतरहाट आयातक विद्यालय का जिक्र करते हुए सोरेन ने कहा कि इस संस्थान ने देश को बड़ी संख्या में भारतीय प्रशासनिक सेवा और पुलिस सेवा के अधिकारी दिए हैं। उन्होंने कहा, कुछ ऐसे काम जो राज्य गठन के शुरुआती वर्षों में ही हो जाने चाहिए थे, वे विभिन्न कारणों से नहीं हो सके।

ओडिशा में प्रधानाध्यापक रिश्तव लेते रंगे हाथों पकड़ा गया

केंद्रपाड़ा (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा सतर्कता विभाग ने सोमवार को केंद्रपाड़ा जिले में एक स्कूल के प्रधानाध्यापक को एक कर्मचारी से कथित तौर पर 5,000 रुपए की रिश्तव लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान रघुनाथ दास के रूप में हुई है और वह महाकालपाड़ा के पास चादेडुआन स्थित एक हाई स्कूल में कार्यवाहक प्रधानाध्यापक के रूप में कार्यरत था। अधिकारियों के अनुसार, शिकायतकर्ता हाल ही में नियुक्त कर्मचारी है और उसे अगस्त 2025 में स्कूल में नौकरी के लिए अर्जित करने के बाद से वेतन नहीं मिला था। कर्मचारी ने कथित तौर पर कई बार प्रधानाध्यापक से संपर्क कर अनुरोध किया था कि वह लंबित वेतन राशि के भुगतान के लिए उपस्थिति पत्रक को जिला शिक्षा अधिकारी (डीओ), केंद्रपाड़ा के कार्यालय में अधिकारी को उपलब्ध करा दें। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए कथित तौर पर 5,000 रुपए की मांग की थी। शिकायत के बाद सतर्कता अधिकारियों ने जाल बिछा दास को शिकायतकर्ता से रिश्तव की रकम लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा लिया।

मंत्रिमंडल ने भ्रष्टाचार, महिलाओं पर अत्याचार की जांच के लिए दो समितियां बनाने को दी मंजूरी : शुभेंद्रु

कोलकाता/भाषा। मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल ने पूर्ववर्ती तुषामूल कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान कथित संस्थागत भ्रष्टाचार और महिलाओं व बच्चियों के खिलाफ अत्याचार की घटनाओं की जांच के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय के दो सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की अध्यक्षता में दो अलग-अलग समितियों के गठन को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि दोनों सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने अपनी सहमति दे दी है और समिति एक जून से काम करना शुरू कर देगी। मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी ने कहा कि ये फैसले चुनाव प्रचार के दौरान किये गए वादे से जुड़े हैं और जनहित में किये गए हैं। उन्होंने बताया कि संस्थागत भ्रष्टाचार की जांच करने वाली समिति की अध्यक्षता कलकत्ता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति विश्वजीत बसु करेंगे, वहीं भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एडीजी रैक के वरिष्ठ अधिकारी जयरामन इस समिति के सदस्य-सचिव होंगे।

एशियाई खेलों के ट्रायल के लिये विनेश को राहत नहीं, दूसरा पक्ष सुनकर ही फैसला देगी अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को पहलवान विनेश फोगाट को 'दूसरे पक्ष की बात सुने बिना' तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया। विनेश ने अदालत से 30 और 31 मई को एशियाई खेलों के लिये होने वाले ट्रायल में भाग लेने की अनुमति का निर्देश देने का अनुरोध किया था। भारतीय कुश्ती महासंघ ने उन्हें ट्रायल में भाग लेने से अयोग्य करार दिया है। अदालत ने विनेश को डब्ल्यूएफआई के कारण बताओ नोटिस

का विरुद्ध जवाब देने के लिये कहा है। महासंघ ने उस पर अनुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन

पार्क सर्कस में हिंसा पर बोले शुभेंद्रु अधिकारी पुलिसकर्मियों पर हमलों को कतई सहन नहीं किया जायेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि पुलिसकर्मियों पर हमले और तोड़फोड़ की घटनाओं को कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और यदि ऐसी घटनाएं दोबारा हुईं, तो 'मुझसे बुरा कोई नहीं होगा'। कोलकाता के तिलजला में हाल में हुई 'बुलडोजर कार्रवाई' के खिलाफ प्रदर्शन रविवार को हिंसक हो गया था। पार्क सर्कस क्षेत्र में प्रदर्शनकारियों ने

बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए शुभेंद्रु अधिकारी ने कानून-व्यवस्था की स्थिति के प्रति कड़ा रुख अपनाया। शुभेंद्रु ने बताया कि हिंसा से छह पुलिसकर्मी और सीआरपीएफ के दो जवान घायल हो गए थे। उन्होंने कहा कि अब तक 40 लोगों को

गिरफ्तार किया जा चुका है और जांच की निगरानी सीधे पुलिस आयुक्त द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा, 'मैं स्पष्ट संदेश दे रहा हूँ कि इस तरह की अशांति, गुंडागर्दी और राष्ट्रविरोधी, समाजविरोधी गतिविधियों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। हम ऐसी चीजों को जारी नहीं रहने देंगे।' शुभेंद्रु अधिकारी ने घायल कर्मियों से मुलाकात की और मीडिया के सामने उनके नाम पढ़े। उन्होंने पुलिस और प्रशासन के बीच कोषणा की और कहा कि भीड़ द्वारा उकसाये जाने के बावजूद उन्होंने संयम बरता। उन्होंने कहा कि मैं घायल पुलिसकर्मियों व सीआरपीएफ जवानों का हालचाल जानने के लिए आया हूँ।

सीजेआई ने सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से डिजिटल माध्यम से सुनवाई का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सुर्यकांत ने सोमवार को कहा कि उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर अनावश्यक खर्च में कटौती करने के लिए सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से फिलहाल सोमवार और शुक्रवार को 'डिजिटल' माध्यम से सुनवाई करने का आग्रह किया है। शीर्ष अदालत ने 15 मई को, सोमवार और शुक्रवार को केवल वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मामलों की सुनवाई करने का निर्णय लिया। न्यायाधीशों ने ईधन के इष्टतम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए एक-दूसरे के वाहन से

न्यायालय आने-जाने की व्यवस्था को प्रोत्साहित करने का 'सर्वसम्मति से संकल्प' लिया। पश्चिम एशिया संकट के कारण अनावश्यक खर्चों में कटौती करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के बाद यह कदम उठाया गया। सोमवार को, वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने एक मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी का एकीकरण हुआ है और ऑनलाइन सुनवाई के दौरान न्यायाधीशों ने 'अतिरिक्त धैर्य' दिखाया। रोहतगी ने कहा, 'मैं ऑनलाइन सुनवाई के लिए प्रधान न्यायाधीश की सराहना करता हूँ, क्योंकि आज सभी अदालतों में यह सुचारु रूप से संपन्न हुई।'

प. बंगाल में सरकारी नौकरियों के लिए अधिकतम आयु सीमा पांच वर्ष तक बढ़ाई

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य की सरकारी नौकरियों के लिए अधिकतम आयु सीमा को पांच वर्ष तक बढ़ाने की सोमवार को घोषणा की। मुख्य सचिव के कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञापन के अनुसार ए, बी, सी, और डी समूह की सरकारी नौकरियों में भर्ती के लिए संशोधित आयु सीमा वित्त विभाग की ओर से औपचारिक अधिसूचना जारी किए जाने के बाद 11 मई से प्रभावी हो गई है। विज्ञापन में कहा गया है, सरकार के संकल्प पत्र में किए गए वादे को पूरा करते हुए कैबिनेट ने यह फैसला लिया है। पश्चिम बंगाल लोक सेवा आयोग (डब्ल्यूबीपीएससी) के जरिए भर्ती के लिए संशोधित नियमों के तहत ग्रुप 'ए' पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा बढ़ाकर 41 वर्ष, ग्रुप 'बी' पदों के लिए 44 वर्ष और ग्रुप 'सी' तथा ग्रुप 'डी' पदों के लिए 45 वर्ष कर दी गई है। सरकार ने स्पष्ट किया कि जिन पदों के लिए पहले से निर्धारित अधिकतम आयु सीमा इससे अधिक है, वहां मौजूदा सीमा ही लागू रहेगी। विज्ञापन में कहा गया है कि लोक सेवा आयोग के अलावा अन्य माध्यमों से होने वाली नियुक्तियों जैसे वैधानिक निकायों, सरकारी कंपनियों और स्थानीय प्राधिकरणों द्वारा की जाने वाली भर्तियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष के तय की गई है। विज्ञापन के अनुसार संशोधित नियमों के तहत पहली भर्ती प्रक्रिया कॉलेज सेवा आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या 1/2026 के तहत सरकारी सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर पदों के लिए होगी, जिसकी चयन प्रक्रिया जारी है।



पिछली सरकारों की सोच 'कट्टा' और बम तक ही सीमित थी : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों पर कठोर रूप से सोमवार को कहा कि पहले राज्य में बम और 'कट्टा' बनाए जाते थे लेकिन अब इस सबूब में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण हो रहा है। योगी ने कहा कि पिछली सरकारों की सोच बम और 'कट्टा' (देसी पिस्टल) तक ही सीमित थी। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में एक प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा, पिछली सरकारों के समय उत्तर प्रदेश में आखिर होता क्या था? उनका उत्पादन क्या था? वह 'कट्टा' और बम थे, जिनका निर्माण यहां होता था, है ना? आज, हमने उन कट्टा और बमों के उत्पादन पर रोक लगा दी है। अब यहां ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में रक्षा क्षेत्र में ब्रह्मोस मिसाइलों का उत्पादन किया जा रहा है। कई तरह के ड्रोन, चाहे वे खेतों में रसायन और उर्वरक छिड़कने के लिए इस्तेमाल होने वाले 'ड्रोन वीदी' के ड्रोन हों, या किसी दुश्मन या पाकिस्तान के हवाई अड्डों को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किए ड्रोन हों, सभी का निर्माण उत्तर प्रदेश में हो रहा है। आदित्यनाथ ने दावा किया, चूंकि पिछली सरकारों की सोच 'कट्टा' और बम तक ही सीमित थी इसीलिए वे बम फैकने में ही लगे रहते थे। हर एक क्षेत्र में गिरावट की स्थिति बनी हुई थी। पिछली सरकारों की सोच बम और 'कट्टा' (देसी पिस्टल) तक ही सीमित थी।

योगी ने कहा कि पिछली सरकारों की सोच बम और 'कट्टा' (देसी पिस्टल) तक ही सीमित थी। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में रक्षा क्षेत्र में ब्रह्मोस मिसाइलों का उत्पादन किया जा रहा है। कई तरह के ड्रोन, चाहे वे खेतों में रसायन और उर्वरक छिड़कने के लिए इस्तेमाल होने वाले 'ड्रोन वीदी' के ड्रोन हों, या किसी दुश्मन या पाकिस्तान के हवाई अड्डों को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किए ड्रोन हों, सभी का निर्माण उत्तर प्रदेश में हो रहा है। आदित्यनाथ ने दावा किया, चूंकि पिछली सरकारों की सोच 'कट्टा' और बम तक ही सीमित थी इसीलिए वे बम फैकने में ही लगे रहते थे। हर एक क्षेत्र में गिरावट की स्थिति बनी हुई थी। पिछली सरकारों की सोच बम और 'कट्टा' (देसी पिस्टल) तक ही सीमित थी।



इंडियन स्कीमर 20 साल बाद भागलपुर के विक्रमशिला डॉल्फिन रिजर्व में लौटा : नमामि गंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विलुप्तप्राय नदी-जल पक्षी इंडियन स्कीमर, लगभग 20 वर्षों के बाद बिहार के भागलपुर स्थित विक्रमशिला डॉल्फिन रिजर्व में लौट आया है। जल शक्ति मंत्रालय ने इस घटनाक्रम को गंगा नदी के पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार का प्रमाण बताया है। इंडियन स्कीमर को लंबे समय से एक संकेतक प्रजाति माना जाता रहा है क्योंकि इसकी निरंतरता साफ नीचे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र और मछली की पर्याप्त उपलब्धता पर है। जल शक्ति मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल नमामि गंगे पर पोस्ट में कहा कि यह वहीं रहता है जहां पानी साफ हो और मछलियां भरपूर

हो। पोस्ट में कहा गया है, 'यह कोई आम पक्षी नहीं है। यह वहीं रहता है जहां पानी साफ हो, बहाव सही हो और मछलियां भरपूर हों। जहां नदी बीमार है, यह नहीं ठहरता।' पक्षी के महत्व को रेखांकित करते हुए पोस्ट में कहा गया, 'बीस साल। दो दशक। एक पूरी पीढ़ी।' इसमें कहा गया है, 'जैव विविधता वापस आ रही है। नदी का पारिस्थितिकी तंत्र फिर से संतुलन की ओर है।' पोस्ट में कहा गया है कि विक्रमशिला डॉल्फिन रिजर्व में स्कीमर का लौटना सिर्फ एक संकेत है, फिर भी यह पक्षी की गुणवत्ता सुधार रही है। इसमें कहा गया है, 'गंगा सिर्फ एक नदी का नाम नहीं है। यह डॉल्फिन, मछली, पक्षी और नदी किनारे बसे करोड़ों लोगों का साझा घर है। जब नदी ठीक होती है, तो जीवन अपने आप लौट आता है। यह तो बस शुरूआत है।'

आरटीआई अधिनियम के तहत 'सार्वजनिक प्राधिकरण' नहीं है बीसीसीआई : सीआईसी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने सोमवार को कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत एक सार्वजनिक प्राधिकरण नहीं है, इसलिए यह पारदर्शिता कानून के तहत किसी भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए बाध्य नहीं है। इसके साथ ही सीआईसी ने इस संबंध में 2018 का अपना ही आदेश पलट दिया। सूचना आयुक्त पी. आर. रमेश ने कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), यद्यपि क्रिकेट प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत के प्रतिनिधित्व से जुड़े महत्वपूर्ण सार्वजनिक कार्य करता है, फिर भी उसे 'सार्वजनिक प्राधिकरण' नहीं माना जा सकता, क्योंकि यह न तो सरकार के स्वामित्व में है, न सरकार द्वारा नियंत्रित है और न ही सरकार द्वारा पर्याप्त रूप से वित्त-पोषित है। सूचना आयुक्त रमेश ने अपने आदेश में कहा, 'बीसीसीआई को आरटीआई अधिनियम की धारा 2(ए) के अर्थ में 'सार्वजनिक प्राधिकरण' के तौर पर मगीकृत नहीं किया जा सकता, इसलिए वर्तमान मामले की परिस्थितियों में आरटीआई अधिनियम के प्रावधान उस पर लागू नहीं होते हैं।'

आज मैं जो कुछ भी हूँ, वह 'आर्ट ऑफ गिविंग' की वजह से हूँ : डॉ अच्युत सामंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

आर्ट ऑफ गिविंग दिवस पर समाजसेवियों को दिया 'एओजी हीरो अवार्ड्स'

भुवनेश्वर। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी, कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस व आर्ट ऑफ गिविंग (एओजी) के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत द्वारा स्थापित 'आर्ट ऑफ गिविंग (एओजी)' अर्थात दान देने की कला' सामाजिक पहल का 13वां इंटरनेशनल आर्ट ऑफ गिविंग डे इस वर्ष छह महाद्वीपों के 190 देशों में मनाया गया। इसके अलावा, आर्ट ऑफ गिविंग मूवमेंट के प्रशंसकों और शुभचिंतकों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 50 हजार स्थानों पर इस अभियान में हिस्सा लिया। अकेले ओडिशा में यह दिन 20 हजार स्थानों पर मनाया गया। इस वर्ष की थीम थी 'शेयर टू शाइन',

जिसका मतलब है कि दूसरों के साथ खुशियां बांटने से खुद की भी तरकी होती है। इस वर्ष के महोत्सव के हिस्से के तौर पर ओडिशा में 3 हजार से ज्यादा जगहों पर वॉलबॉल और नेट बांटने का इंतजाम किया गया था। अच्युत सामंत द्वारा खेल विकास और युवाओं के बीच मेलजोल और दोस्ती को बढ़ावा देने के विजय से प्रेरित होकर इस वर्ष 9,100 वॉलबॉल बांटी गईं। डॉ. सामंत ने कहा, आज मैं जो कुछ भी हूँ, वह आर्ट ऑफ गिविंग' पहल के वजह से हूँ। इस अभियान की वजह से मुझे लोगों का प्यार और अपनाना मिला है। भुवनेश्वर में आयोजित इस कार्यक्रम

में मशहूर हिंदी पार्श्व गायक शान का गाना हुआ आर्ट ऑफ गिविंग थीम सॉन्ग लॉन्च किया गया। इस कार्यक्रम में लोकसभा सदस्य रवींद्र नारायण बेहरा, भारतीय टेलिस लेजेंड और पद्म भूषण विजेता लिण्डर पेस, तिब्बती बौद्ध गुरु और स्विट्जरलैंड के रिपा इंटरनेशनल सेंटर के रिप्रेजेंटेटिव डायरेक्टर गेटुल जिम्मे रिनपोछे और फेमिना मिस इंडिया निकिता पोरवाल शामिल हुए। इस वर्ष भी समाजसेवा में विशेष कार्य करने वाले जाने-माने मेडिकल एक्सपर्ट डॉ. विद्युत दास, रोटेरियन अजय अग्रवाल और केआईआईटी के प्रोफेसर कुमार देवदत्त को 'एओजी हीरो अवार्ड्स' के रूप में एक लाख रुपए का नगद पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर केआईआईटी के केआईआईएस के कुलपति प्रोफेसर सरनजीत सिंह और दूसरे वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित हुए।

सरकार का लक्ष्य लोगों को आर्थिक रूप से समृद्ध और खुशहाल बनाना : सम्राट

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को बिहार से बाहर रहे लोगों से राज्य में लौटकर उद्योग स्थापित करने की अपील करते हुए कहा कि प्रदेश को समृद्ध बनाने में सभी की भूमिका होनी चाहिए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और सरकार का लक्ष्य लोगों को आर्थिक रूप से समृद्ध और खुशहाल बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगपति बड़े पैमाने पर निवेश के लिए बिहार आ रहे हैं और सरकार का लक्ष्य 20 नवंबर 2026 तक राज्य में पांच लाख करोड़ रुपए का निवेश सुनिश्चित करना है। सम्राट ने यह बात 80 अत्याधुनिक दमकल वाहनों को हरी झंडी दिखाते और एआई आधारित आधुनिक



दमकल नियंत्रण कक्ष के उद्घाटन के मौके पर कही। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किशनगंज में सीआईएसएफ प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्णय किया है तथा गया में भी ऐसा केंद्र स्थापित करने का आग्रह किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों में

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के अधिक उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इससे परियोजनाओं की लागत में कमी लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ पुलिस को पूरी छूट दी गई है और बिहार को सुशासन वाला राज्य बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है।

सुविचार

सत्य को कहने के लिए किसी शपथ की जरूरत नहीं होती, नदियों को बहने के लिए किसी पथ की जरूरत नहीं होती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जन्म दर के लिए लोकलुभावन प्रयोग!

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में जन्म दर को बढ़ावा देने के लिए तीसरे और चौथे जन्म पर प्रोत्साहन राशि (क्रमशः 30,000 रुपए और 40,000 रुपए) दिए जाने के संबंध में जो घोषणा की है, उससे एक नई बहस शुरू हो गई है। इस घोषणा से कई सवाल भी पैदा होते हैं। अब तक यह पढ़ने-सुनने को मिलता था कि 'भारत में जनसंख्या बहुत बढ़ गई है, इसलिए किसी तरह इस पर काबू पाएं।' वहीं, आंध्र प्रदेश में अलग ही तस्वीर दिखाई दे रही है। यहां सरकार संतान पैदा करने पर रूपए देगी! पहला सवाल तो यही पैदा होता है कि क्या आंध्र प्रदेश में सच में ऐसी स्थिति आ गई है, जिसके कारण सरकार को आर्थिक प्रोत्साहन की घोषणा करनी पड़ी? जापान, सिंगापुर, स्वीडन, दक्षिण कोरिया जैसे देशों में जन्म दर में भारी गिरावट आने के कारण उनकी सरकारें आर्थिक सहायता कार्यक्रम चला रही हैं, लेकिन ये बहुत मसूदा देख हैं। वहां नागरिकों को शिक्षा, चिकित्सा, परिवहन आदि के लिए गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। भारत में इन सुविधाओं पर पहले ही काफी दबाव है। ऐसे में और ज्यादा संतानोत्पत्ति को प्रोत्साहन देने का क्या औचित्य है? क्या जो बच्चे जन्म लेंगे, उनके लिए अच्छे सरकारी स्कूल हों? क्या सरकारी अस्पताल वर्तमान जनसंख्या को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दे पा रहे हैं? क्या सार्वजनिक परिवहन सेवाएं इतनी बेहतर हो गई हैं कि वे और ज्यादा जनसंख्या का बोझ बर्दाश्त कर सकें? क्या रोजगार देने के लिए सरकार के पास कोई ठोस योजना है? क्या उन बच्चों के लिए साफ पानी, साफ हवा और शुद्ध भोजन है? अगर कोई राज्य सरकार अपने यहां घटती जन्म दर को लेकर सच में चिंतित है तो पहले इन सवालों पर ध्यान दे।

जो लोग इस धरती पर आ चुके हैं, उन्हें मूलभूत सुविधाएं जुटाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। महंगाई ने कई परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। ऐसे माहौल में कोई दंपति दो बच्चे वाला है, वही आज बहुत बड़ी बात है। अब कई शहरों में डिक (डबल इनकम, नो किड्स) का चलन बढ़ता जा रहा है। उन दंपतियों ने यह फैसला रातोंरात नहीं लिया है। राज्य सरकारें अच्छे स्कूल, अस्पताल, आवास और रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं दे पाई, इसलिए वे उनके भरोसे किसी बच्चे को दुनिया में नहीं लाना चाहते। सरकारों को अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी। सिर्फ कुछ हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि घोषित कर देने मात्र से कितने लोग इसे गंभीरता से लेंगे? इतनी राशि से तो एक अच्छे स्कूल में पहली कक्षा की फीस नहीं भरी जा सकती। उस बच्चे को पाल-पोसकर बड़ा करने, उसे किसी रोजगार लायक बनाने में बहुत रुपए खर्च होंगे। सरकारें सबसे पहले शिक्षा की ओर ध्यान दें। सरकारी स्कूलों की हालत सुधार दें। इसके साथ ही सरकारी अस्पतालों में जनसंख्या के अनुपात में सुविधाएं बढ़ा दें। ये दो काम पूरी ईमानदारी से हो जाएं तो लोगों के सिर से भारी बोझ हट जाए। इसके बाद स्कूली पाठ्यक्रम में बदलाव करना होगा। बच्चों को वह सिखाएं, जो उनके जीवन में काम आए। पांचवीं कक्षा के बाद रोजगार संबंधी जानकारी देना शुरू कर दें। दसवीं कक्षा पास करते-करते हर बच्चे में कामकाज संबंधी समझ पैदा हो जाए। जब वह कॉलेज में पहुंचे तो उसके पास कम-से-कम तीन ऐसे हुनर हों, जिनके जरिए वह अपनी रोटी खुद कमा सके। देश में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने से कहीं ज्यादा आसान होना चाहिए- स्वरोजगार शुरू करना और उसे आगे बढ़ाना। सरकारें बुनियादी ढांचे को इतना मजबूत बना दें कि किसी को पढ़ाई, दवाई और कमाई की चिंता ही न करनी पड़े। इससे जन्म दर को संतुलित और स्थिर रखने में मदद मिलेगी। संतानोत्पत्ति के मामले में शिक्षित वर्ग लोकलुभावन प्रयोगों पर विश्वास नहीं करेगा।

ट्वीटर टॉक

जब भारत ने पहला न्यूक्लियर टेस्ट किया, तो पूरी दुनिया में भारत की ताकत, पकड़ इरादे और हमारी साइंटिफिक काबिलियत का लोहा माना। यह ऐतिहासिक कामयाबी हमारी साइंटिफिक टैलेंट के साथ-साथ उस समय की इंदिरा गांधी की दूर की सोचने वाली और कुशल लीडरशिप का सबूत थी।

-अशोक गहलोत

ओस्लो में वेलकम प्रोग्राम के दौरान नाट्यालया डांस स्कूल के एक ग्रुप ने अलारिपु परफॉर्म किया, जो भरतनाट्यम से जुड़ा है। यह टीम लगभग तीन दशकों से नॉर्वे में भारत की सांस्कृतिक परंपराओं को पॉपुलर बना रही है। ऐसी कोशिशें वाकई तारीफ के काबिल हैं।

-नरेन्द्र मोदी

भारत में एडवेंचर टूरिज्म अब कोई नया कॉन्सेप्ट नहीं रहा इस पर आज दिल्ली में इंडियन एडवेंचर टूरिज्म-रिस्क मैनेजमेंट सेमिनार में जाने-माने पत्रकार राहुल कंवल और एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट अजीत बजाज के साथ चर्चा हुई।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मृत्यु-मय

सम्राट अशोक के छोटे भाई वीतशोक को श्रमण-भिक्षुओं के प्रति श्रद्धा नहीं थी। उन्हें लगता था सब उत्तम भोजन-वस्त्र के लोभ से भिक्षु बने हैं। उन्हें समझाने के लिए अशोक ने एक युक्ति सोची। एक दिन मंत्रियों ने वीतशोक से कहा सम्राट के बाद आप ही राजा होंगे। जरा ये वस्त्राभूषण पहनकर दिखाइये तो, आप कैसे लगते हैं। वीतशोक राजसी वस्त्र-अलंकार धारण कर सिंहासन पर बैठे ही थे कि सम्राट आ गये। उन्होंने कहा, 'मेरे रहते तुम्हारा यह दुस्ताहल! तुम्हें राजद्रोह के अपराध में मृत्युदंड दिया जाएगा।' मंत्रियों के अनुनय-विनय करने पर अशोक ने कहा, 'ठीक है। प्राणदंड तो अवश्य मिलेगा किन्तु यह मेरा प्रिय भाई है, पहले एक सप्ताह तक राजसुख भोगे।' वीतशोक सात दिन के लिए राजा हुए। राजसी ऐश्वर्य से परिपूर्ण सात दिन। किन्तु उसके पीछे हर समय दो खजाधारी वधिक चलते जो उन्हें प्रतिक्षण आसन-मृत्यु की याद दिलाते रहते। सात दिन बाद वीतशोक को सम्राट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सम्राट ने हंसकर पूछा, 'कहो बंधु, कैसा लगा राजपद का सुख?' वीतशोक ने कहा 'कैसा सुख? कहाँ का भोग-विलास? जिसके पीछे हर समय नगी तलवार लिये मृत्यु चल रही हो, उसके लिये ये सुख भला किस काम के?'

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियां

ललित गर्ग

मो. 9811051133

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कुटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो जाएं। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवरस और चुनौती दोनों लेकर आई है। आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट गई, रुस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और अर्थव्यवस्था के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में तालम छट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि



दोनों महाशक्तियों वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुरार तय करने लें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कोई आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में जी-20 यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विमर्शकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेम में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्राउ जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मापन का विषय है।

भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप

में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवरस चाइना प्लस वन रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं।

भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवरस अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनेरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को

वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रुस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होगा और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियों अपने-अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाए रखना। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस वन अर्थ, वन फैमिली, वन प्यूचर की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैश्विक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुध्रुवीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है।

आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं?

इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रुवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रयत्न नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।

नजरिया

दहेज के कारण अखिर कब तक जान गंवाती रहेंगी महिलाएं ?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

नो एका की 33 वर्षीय दिशा शर्मा, जो पूर्व मिस पुणे भी रह चुकी थीं, मात्र पांच महीने की शादी के बाद भोगाल के कटारा हिल्ले स्थित ससुराल में 12 मई 2026 की रात संविध्य परिस्थितियों में फांसी पर लटकी मिलीं। शादी दिसंबर 2025 में डेटिंग ऐप पर मिले वकील समर्थ सिंह के साथ हुई थी। दिशा हाल ही में दो महीने की प्रेगेंट थीं, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में एक हफ्ते पहले मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगेंसी (बच्चा) का खुलासा हुआ। मायके पक्ष का दावा है कि यह जबरन अर्थात् अनजाने था, जिसमें सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह ने मानसिक यातना देकर दिशा को मजबूर किया। परिवार ने आरोप लगाया कि दिशा को पितृत्व पर संदेह कर उसके चरित्र पर सवाल उठाए गए, जिससे उस पर जबरदस्त मेंटल टॉरेंटर हुआ। इस मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मल्टीपल एंटीमॉर्टम इंजरी (मौत से पहले की कई चोटें) मिलने से हत्या की आशंका और मजबूत हो गई है। मामला इसलिए भी गंभीर हो गया है क्योंकि पति समर्थ सिंह पेशे से वकील हैं और उनके माला-पिता रिटायर्ड जज रह चुके हैं। दिशा के परिवार ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या करार दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, जबरन गंधका, शरीर पर चोटों के निशान और मौत से पहले की आण्डिरी कॉल जैसे कई तथ्य अब इस मामले को और रहस्यमयी बना रहे हैं।

कुछ आरोपी परिवार न्यायिक पृष्ठभूमि से जुड़ा है, इसलिए दिशा के परिजनो ने स्थानीय पुलिस जांच पर सवाल उठाए हैं। परिवार का आरोप है कि प्रभाव के चलते पुलिस निष्पक्ष कार्यवाई नहीं कर रही। इसी वजह से परिवार ने मध्य प्रदेश से बाहर सीबीआई जांच की मांग की है। वहीं, सास को अग्रिम जमानत मिलने के बाद परिवार ने शव लेने से इनकार करते हुए दिल्ली एम्स में दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग उठाई है। वैसे गिरिबाला सिंह के खिलाफ शुक्रवार को भोगाल पुलिस ने दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है। इसके बाद गिरिबाला सिंह ने भोगाल जिला अदालत में अग्रिम जमानत की अर्जी लगा दी। शुक्रवार देर शाम तक चली सुनवाई और परिजनो के विरोध के बावजूद जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत से गिरिबाला सिंह को अग्रिम जमानत मिल गई। सिंह को अग्रिम जमानत मिलने के बाद से परिजन और आक्रोशित हो गए और कहने लगे कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सभी चीजों का उल्लेख नहीं है, इसलिए लिए अग्रिम जमानत मिल गई है। सोमवार 18 मई को दिशा के पति और अधिवक्ता समर्थ सिंह की अग्रिम जमानत पर भोगाल जिला न्यायालय में सुनवाई होगी है। अग्रिम जमानत मिलने के बाद से ही परिजन अधिक आक्रोशित हैं। खैर अब न्यायिक प्रतिक्रिया में उलझा मामला चलता रहेगा व इसके रिजल्ट की हमें प्रतीक्षा ही करनी होगी।



वैसे दिशा शर्मा की दहेज हत्या का सामने आया पहला मामला नहीं है। इसके पहले भी केरल के कोलम जिले में बीते 21 मार्च को एक 27 साल की महिला थूशरा की मौत हो गई। मौत के वक्त उसका वजन महज बीस किलो रह गया था। दरअसल, थूशरा की शादी के वक्त दो लाख रुपए दहेज की मांग रखी गई थी जो उसके माता-पिता नहीं दे पाए। दहेज की मांग पूरी न होने के कारण उसका पति और सास उसका शोषण करते थे। उन्होंने स्वीकार भी किया कि थूशरा को खाने के लिए रोज पानी मिलाकर चावल और चीनी के अलावा कुछ और नहीं दिया जाता था। यहां के पोस्टमैन ने पुलिस को बताया कि इस घटना की जानकारी पड़ोसियों को न हो, इसके लिए थूशरा को टिन की घेराबंदी वाले घर के भीतर कैद कर के रखा गया था। यह घटना भारत के सर्वाधिक शिक्षित राज्य की है। यह घटना आज की है। यह घटना दहेज हत्या की श्रेणी में ही आएगी। वह दहेज हत्या जो उत्तर-आधुनिक समय में भी न जाने कितनी महिलाओं की मौत का कारण बनती है।

गौरतलब है कि शादी-शुदा महिलाओं की हत्याएं, जिन्हें ससुराल में पति और अन्य सदस्यों ने दहेज के लिए या तो कल्ल कर दिया गया हो अथवा लगातार उत्पीड़न और यातना देकर आत्महत्या के लिए बाध्य किया जाए, दहेज हत्या कहलाती हैं। दहेज हत्या एक ऐसा अपराध है जहां महिलाओं के लिए उनके अपने घर ही सबसे असुरक्षित स्थान बन जाते हैं। दहेज और उससे जुड़े अपराधों के मामले में भारत दुनियाभर में सबसे स्थान पर आता है। इसके बाद पाकिस्तान, बंगलादेश और ईरान आते हैं, जहां दहेज हत्या एक बड़ी समस्या बन चुकी है।

दहेज हत्या मूल रूप से पितृसत्ता का ही एक रूप है जिसकी जड़ें प्राचीन इतिहास के कबीलाई परंपराओं में छिपी हैं। लिंग आधारित श्रम विभाजन के बाद कबीलों में एक संस्कृति विकसित हुई जिसके तहत महिलाओं का आदान-प्रदान होता था। कबीले के अस्तित्व के लिए महिलाएं चुप रहती थीं जो बाद में संस्कृति के रूप में उनके शोषण का आधार बनीं। इस प्रक्रिया में महिलाओं के साथ-साथ पशुओं,

दहेज लेना एक रूढ़ीवादी सांस्कृतिक परंपरा है जो पितृसत्ता को पोषित करती है। संस्कृति के रूप में इसे चलाए रखा जाता है और आगे आने वाली पीढ़ियों को हस्तांतरित किया जाता है, जिससे पितृसत्ता का वजूद बना रहे और पुरुष स्त्री को संपत्ति की तरह हासिल कर उसका स्वामी बन सके। दहेज प्रथा के कारण महिलाएं समाज में दोगम दर्जे की मानी जाती हैं। जन्म से ही उन्हें 'पराया धन' कहकर परिवार के सभी संसाधनों से अलग-थलग कर दिया जाता है।

कीमती पत्थरों और जरूरी सामानों का भी आदान-प्रदान होता था जिससे बेहतर संबंध स्थापित हो। बाद में इस प्रथा के तहत महिलाएं पुरुषों की संपत्ति मानी जाने लगी और उनका अपने पर कोई अधिकार नहीं रहा। आज के उत्तर-आधुनिक समाज में भी स्त्री दहेज के वक्त दो लाख रुपए दहेज की मांग रखी गई थी जो उसके माता-पिता नहीं दे पाए। दहेज की मांग पूरी न होने के कारण उसका पति और सास उसका शोषण करते थे। उन्होंने स्वीकार भी किया कि थूशरा को खाने के लिए रोज पानी मिलाकर चावल और चीनी के अलावा कुछ और नहीं दिया जाता था। यहां के पोस्टमैन ने पुलिस को बताया कि इस घटना की जानकारी पड़ोसियों को न हो, इसके लिए थूशरा को टिन की घेराबंदी वाले घर के भीतर कैद कर के रखा गया था। यह घटना भारत के सर्वाधिक शिक्षित राज्य की है। यह घटना आज की है। यह घटना दहेज हत्या की श्रेणी में ही आएगी। वह दहेज हत्या जो उत्तर-आधुनिक समय में भी न जाने कितनी महिलाओं की मौत का कारण बनती है।

दहेज की प्रथा मानो शादी का एक अभिन्न अंग बन चुकी है। यह प्रथा सभी समूहों में मौजूद है चाहे वे किसी भी जाति, वर्ग, धर्म के हों। लड़की ब्याहने के लिए लड़के के परिवार की हैसियत के अनुसार दहेज देना पड़ता है। यह ब्याह होने की अनिवार्य शर्त भी है। रूढ़ीवादी भारतीय समाज शादी की संस्था और पारिवारिक संरचना में सुधार करने की बजाय इसे पारंपरिक रूप में ही चलाता चाहता है। इस समाज के लिए यह महत्वपूर्ण है ही नहीं कि शादी से पहले लड़के और लड़की में सामंजस्य और आपसी समझ विकसित हो, जिससे बेहतर समाज बन सके। यहां रिश्ते की नींव ही लड़की के घर से मिलने वाला दहेज तय करता है।

हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत में दहेज के कारण रोज 21 महिलाओं की मौत होती है। शोध और अध्ययन से पता चलता है कि दहेज हत्या से संबंधित कुल घटनाएं, जो दर्ज होती हैं, उनमें से 93 फीसद मामलों में चार्जशीट दाखिल होती है और उनमें से केवल 1/3 मामले में आरोपी दोषी साबित हो पाते हैं। दहेज हत्या के संबंध में न्यूनतम दंड 7 साल की उम्रकैद है। दहेज हत्या के मामले में जज के पास यह अधिकार भी है कि वह अपने विवेक से आजीवन कारावास तक की सजा सुना सकता है। इतनी कठोरता के बाद भी दहेज के मामले कम नहीं

हो रहे सोचनीय है। दहेज लेना एक रूढ़ीवादी सांस्कृतिक परंपरा है जो पितृसत्ता को पोषित करती है। संस्कृति के रूप में इसे चलाए रखा जाता है और आगे आने वाली पीढ़ियों को हस्तांतरित किया जाता है, जिससे पितृसत्ता का वजूद बना रहे और पुरुष स्त्री को संपत्ति की तरह हासिल कर उसका स्वामी बन सके। दहेज प्रथा के कारण महिलाएं समाज में दोगम दर्जे की मानी जाती हैं। जन्म से ही उन्हें 'पराया धन' कहकर परिवार के सभी संसाधनों से अलग-थलग कर दिया जाता है। उन्हें यह संदेश दिया जाता है कि परिवार की संपत्ति पर उनका कोई अधिकार नहीं है, उन्हें तो 'दूसरे के घर' जाना है। 'दूसरे के घर' जाने का तर्क हमारे घरों में तैंगिक अस्मानता की नींव भी रखता है। लड़कियों को दूसरे के घर जाना होता है इसलिए उनसे पारंपरिक गुण यानी खाना पकाने से लेकर, सिलाई-बुनाई और घर चलाने के कौशल में पारंपरिक रूप से उन्मीद की जाती है। इसीलिए, जहां भाई पढ़ता है, वहीं लड़की काँके में रोटियाँ बेतली है यानी पत्नी बनने की दृष्टिगत बचपन से शुरू हो जाती है। दहेज के संबंध में हत्या और आत्महत्या के मामले क्रिमिनल पीनल कोड और इंडियन पीनल कोड के तहत देखे जाते हैं। अब देखते हैं दिशा शर्मा को कानूनी रूप से क्या इजाजत मिलता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गर्मी



गांधियाबाद के वेव सिटी में भीषण गर्मी के बीच एक मां अपने बच्चों के साथ वाहन पर सफर करती नजर आई।

ब्रिटेन में 23 वर्षीय युवक बना भारतीय मूल का सबसे युवा मेयर

लंदन/भाषा। पूर्वी इंग्लैंड की एक स्थानीय परिषद का प्रतिनिधित्व करने वाले 23 वर्षीय युवक ने ब्रिटेन में सबसे कम उम्र का भारतीय मूल का मेयर बनकर इतिहास रच दिया है। किंग्स कॉलेज लंदन के राजनीति विज्ञान के पूर्व छात्र तुषार कुमार ने पिछले सप्ताह एक समारोह में एल्स्ट्री और बोरेहमवुड के मेयर का पदभार ग्रहण किया। लेबर पार्टी के पार्थव कुमार 2023 में एल्स्ट्री और बोरेहमवुड नगर परिषद में शामिल हुए थे और पूर्व में उन्होंने उप महापौर के तौर पर सेवा दी है। समारोह के बाद जारी एक बयान में कुमार



ने कहा, "कल रात एल्स्ट्री और बोरेहमवुड के महापौर के रूप में आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण करना मेरे लिए सम्मान की बात है और 23 वर्ष की आयु में, मैं ब्रिटेन के इतिहास में सबसे कम उम्र का भारतीय मूल का महापौर बना हूँ।" कुमार का मानना है कि "यारतविक परिवर्तन सामुदायिक स्तर पर शुरू होता है।" उन्होंने कहा, "मुझे स्वयंसेवा करना, समावेशी सामुदायिक कार्यक्रमों का आयोजन करना और सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच की पैरोकारी करना पसंद है।"

भारत-नीदरलैंड साझेदारी: उच्च कालीन ऐतिहासिक इमारतों के संरक्षण को बढ़ावा मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली/पटना/भाषा। भारत और नीदरलैंड के बीच संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाए जाने के बीच दोनों देशों के इतिहासकारों और वास्तु विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि इससे भारत में उच्च कालीन स्थापत्य संबंधी विरासत के बेहतर संरक्षण का मार्ग प्रशस्त होगा।

इतिहासकारों को उम्मीद है कि अब उच्च कालीन विरासतों का बिहार की राजधानी पटना स्थित कलेक्ट्रेट भवन की तरह पतन नहीं होगा जिसे चार साल पहले ध्वस्त कर दिया गया था।

विशेषज्ञों ने पटना कलेक्ट्रेट भवन का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी ऐतिहासिक धरोहरों को बचाने की दिशा में अब गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए।

मई 2022 में बुलडोजरों द्वारा ऐतिहासिक पटना कलेक्ट्रेट परिसर को गिराए जाने की तस्वीरें आज भी उन लोगों के मन में ताजा हैं, जिन्होंने सदियों पुराने इस परिसर को बचाने के लिए अभियान चलाया था। इस परिसर में कई विरासत संरचनाएं थीं, जिनमें प्रतिष्ठित रिजॉर्ट रुम भवन भी शामिल था, जिसका निर्माण उच्च काल में और बाद में ब्रिटिश राज में कराया गया था। भव्य स्तंभों वाले रिजॉर्ट रुम भवन को हाल तक पटना के बीचों-बीच उच्च वास्तुकला के दुर्लभ नमूने के रूप में देखा जाता था, लेकिन

17 मई 2022 को लोगों के विरोध के बावजूद इसे ध्वस्त कर दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 से 17 मई तक नीदरलैंड की यात्रा की, जिसके दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक विस्तारित किया। इस घटनाक्रम के बीच पटना से लेकर बर्लिन तक बिहार के लोगों ने उच्च कालीन विरासत स्थल के महत्व को याद करते हुए उसके नष्ट होने पर अफसोस जताया।

बर्लिन में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे दिशांशु सिन्हा ने कहा, पटना कलेक्ट्रेट को ध्वस्त किया जाना केवल गलत निर्णय नहीं था, बल्कि साझा विरासत की बड़ी क्षति थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री मोदी की नीदरलैंड यात्रा और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी से बिहार तथा देश के अन्य हिस्सों में बची उच्च कालीन विरासत इमारतों के संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। सिन्हा ने कहा कि भारत और यूरोप के बीच सांस्कृतिक संबंधों की चर्चा होती रही है, लेकिन दोनों क्षेत्रों के लोगों के लिए इन संबंधों की सबसे ठोस अभिव्यक्ति उस दौर की विरासत इमारतों के रूप में दिखाई देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दो दशकों में बिहार सरकार ने पटना की कई ब्रिटिश कालीन सार्वजनिक इमारतों को हटाया और वर्ष 2022 में उच्च कालीन

पटना कलेक्ट्रेट को भी ध्वस्त कर दिया, जबकि इसे संरक्षित कर सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता था।

पटना के विरासत विशेषज्ञों ने भी माना कि पुराने कलेक्ट्रेट परिसर के ध्वस्तीकरण के साथ शहर का एक बड़ा 'उच्च संबंध' समाप्त हो गया। सिन्हा 'सेव हिस्टोरिक पटना कलेक्ट्रेट' अभियान से जुड़े रहे, जिसमें छह वर्षों तक इस ऐतिहासिक परिसर को बचाने के लिए संघर्ष किया था।

कलेक्ट्रेट भवन को ध्वस्त करने से नष्ट हुई अन्य प्रमुख इमारतों में ब्रिटिश कालीन जिलाधिकारी कार्यालय भवन, उच्च कालीन जिला अभियंता कार्यालय भवन, एसडीओ कार्यालय भवन और भूमि अधिग्रहण कार्यालय भवन शामिल थे। वर्ष 2020 में पटना उच्च न्यायालय के आदेश के बाद रिजॉर्ट रुम भवन के अग्रभाग के आठ स्तंभों को बचा लिया गया था। इन्हें दिसंबर 2024 में उद्घाटित नए कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शित किया गया। पटना कलेक्ट्रेट संरक्षण के समर्थक उच्च इतिहासकार लेनाट बेस ने कहा कि भारत और नीदरलैंड के बीच नई रणनीतिक साझेदारी से भारत में उच्च विरासत के प्रति अधिक जागरूकता पैदा होगी और भविष्य में ऐसी धरोहरों को नष्ट होने से बचाया जा सकेगा।



आईपीएल में केएल राहुल की रिकॉर्ड तोड़ पारी से खुश हुए सुनील शेट्टी

मुंबई/एजेन्सी

'आईपीएल- 2026' में केएल राहुल लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बेहतरीन अर्धशतक लगाकर एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। राहुल ने आईपीएल में आठवीं बार एक सौ सौ से ज्यादा रन पूरे किए, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं। फैंस के साथ-साथ परिवार भी राहुल की इस उपलब्धि पर काफी खुश है। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने भी अपने दामाद की इस कामयाबी पर खास अंदाज में खुशी जाहिर की। सुनील शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर केएल राहुल का एक पोस्टर साझा किया। इस पोस्टर में राहुल की तस्वीर के साथ उनकी उपलब्धि की जानकारी दी गई थी कि उन्होंने आईपीएल में आठवीं बार 500 से

ज्यादा रन पूरे कर लिए हैं। पोस्टर में राहुल बैटिंग फॉर्म में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए सुनील शेट्टी ने ऊपर की तरफ 'नजर' से बचाने वाली इमोजी भी लगाई। सुनील शेट्टी का यह पोस्टर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। फैंस को भी अभिनेता का यह अंदाज काफी पसंद आ रहा है। बता दें कि सोशल मीडिया पर राहुल और सुनील शेट्टी के बीच हमेशा अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिलती रही है और कई मौकों पर वह खुले तौर पर राहुल की तारीफ करते भी नजर आ चुके हैं।

अगर राहुल के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में 42 गेंदों में 56 रनों की दमदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने एक चौका और तीन छक्के लगाए। राहुल की बल्लेबाजी के चलते दिल्ली कैपिटल्स ने मैच में मजबूत पकड़ बनाई और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।



कान्स फिल्म फेस्टिवल में छाई 'बॉम्बे स्टोरीज'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जा रही है। किसी भी कलाकार के लिए कान्स तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है और अनुप्रिया के लिए भी यह मौका बेहद खास है, क्योंकि यह उनकी पहली इंडिपेंडेंट फिल्म है। फिल्म का निर्देशन राहत शाह काजमी ने किया है और इसकी कहानी मशहूर लेखक सआदत हसन मंटो की चर्चित कहानी 'रुतक' से प्रेरित है। फिल्म में समाज के उस हिस्से की कहानी दिखाई गई है, जिसके बारे में अक्सर लोग खुलकर बात नहीं करते। फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' में अनुप्रिया गोयनका एक सेक्स वर्कर के किरदार में हैं। उनके साथ फिल्म में मौनी रॉय और सुमिता सिंह भी अहम भूमिकाएं निभा रही हैं। फिल्म में सेक्स वर्कर की जिंदगी,

उनके संघर्ष, समाज के नजरिए और उनके भीतर छिपी भावनाओं को दिखाने की कोशिश की गई है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अनुप्रिया ने कहा, मैं लंबे समय से इंडिपेंडेंट सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती थीं। मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरी पहली फिल्म मंटो की कहानी पर आधारित है। 'रुतक' शब्द का मतलब अपमान होता है और फिल्म की कहानी भी इसी भावना के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरा किरदार सौगंधी समाज की नजरों और लोगों के फेसलों के बीच खुद को समझने की कोशिश करती है।

अभिनेत्री ने अपने किरदार को समझाते हुए कहा, सौगंधी एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी को उसी रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसके दिल में भी प्यार और सम्मान पाने की चाहत है।

यह चाहती है कि कोई उसे सिर्फ शरीर की नजर से न देखे, बल्कि उसे एक इंसान और एक महिला के रूप में महसूस करे। इस

किरदार में मुझे खुद की कई भावनाएं नजर आईं। मैंने इस किरदार को निभाते हुए एक महिला के कई अलग-अलग पहलुओं को समझा और महसूस किया।

अनुप्रिया गोयनका ने सेक्स वर्कर को लेकर कहा, अगर कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से यह काम चुनता है, तो यह उसका अधिकार और उसका फैसला है। इसे किसी दूसरे पेशे की तरह ही देखा जाना चाहिए। लेकिन जब किसी महिला को मजबूरी में इस काम में धकेला जाता है, उसके अधिकार छीन लिए जाते हैं या उसे इंसान की तरह सम्मान नहीं मिलता, तब यह गलत और दुःखद बन जाता है।

उन्होंने कहा, समाज में सेक्स वर्कर को अक्सर सिर्फ एक वस्तु की तरह देखा जाता है, जबकि उनके भी सपने, भावनाएं हैं और उन्हें भी सम्मान की जरूरत होती है। जब तक किसी को उसकी इच्छा के खिलाफ इस काम में मजबूर नहीं किया जाता, तब तक समाज को उसे जज करने का अधिकार नहीं होना चाहिए।

दलाई लामा से मुलाकात कर भावुक हुईं भूमि पेडनेकर, बोलीं- 'लौटते वक्त आंखों से बहने लगे आंसू'

धर्मशाला/एजेन्सी

भूमि पेडनेकर इन दिनों सिर्फ अपनी फिल्मों और वेब सीरीज को लेकर ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक अनुभवों को लेकर भी चर्चा में हैं। इस बीच, वह हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला पहुंचीं, जहां उन्होंने तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा से मुलाकात की। यह मुलाकात भूमि के लिए बेहद खास रही। उन्होंने इस अनुभव को अपने सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ साझा किया। भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह दलाई लामा के साथ बैठी नजर आईं, जबकि कुछ तस्वीरों में धर्मशाला की खूबसूरत वादियां और वहां के आध्यात्मिक वातावरण की झलक दिखाई दी। पोस्ट के कैप्शन में भूमि ने लिखा, दलाई लामा की मौजूदगी में मुझे सब कुछ बहुत हल्का, शांत और किसी सपने जैसा महसूस हुआ। जैसे ही मैं वहां से वापस लौटी, तो मेरी



आंखों से आंसू बहने लगे थे। इस एहसास को शब्दों में पूरी तरह बताना आसान नहीं है। यह अनुभव मैंने दिल से महसूस किया। भूमि ने आगे कहा, मैं पिछले कुछ समय से खुद को समझने और मानसिक शांति पाने की यात्रा पर हूँ। जिंदगी में मिलने वाले ऐसे खास पल मुझे भगवान और जीवन के प्रति

ज्यादा शुक्रगुजार बना देते हैं। दलाई लामा से मिलना मेरे लिए शांति, वया और प्रेम से भरा ऐसा अनुभव था, जिसे मैं ज़िंदगीभर याद रखूंगी।

भूमि की इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री के कई लोगों ने भी प्रतिक्रिया दी। दलाई लामा का जीवन पूरी

दुनिया में चर्चा का विषय रहा है। साल 1959 में तिब्बत में चीन के शासन के खिलाफ विद्रोह हुआ था। हालात बिगड़ने के बाद दलाई लामा को तिब्बत छोड़ना पड़ा। वह अपने कुछ साथियों के साथ हिमालय पार करके भारत पहुंचे थे।

उस समय भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें देश में शरण दी थी। बाद में हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में तिब्बती निर्वासित सरकार का केंद्र बनाया गया, जो आज भी तिब्बती समुदाय के लिए बेहद अहम जगह मानी जाती है। दलाई लामा को भारत में शरण दिए जाने के बाद भारत और चीन के रिश्तों में तनाव बढ़ गया था। चीन ने इसे अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप माना। उसी दौरान दोनों देशों के बीच सीमा विवाद भी गहराने लगे। धीरे-धीरे यह तनाव इतना बढ़ा कि साल 1962 में भारत और चीन के बीच युद्ध हुआ। इस युद्ध ने दोनों देशों के रिश्तों पर गहरा असर डाला।



'अम्मा अरियान' कान फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित हुई

नयी दिल्ली/भाषा

मलयालम की बहुचर्चित फिल्म 'अम्मा अरियान' को कान फिल्म महोत्सव की क्लासिक श्रेणी में नए सिरे से पुनर्स्थापित 4के संस्करण में प्रदर्शित किया गया। मूल रूप से 1986 में रिलीज हुई, 115 मिनट लंबी यह फिल्म भारतीय सिनेमा की सबसे क्रांतिकारी कृतियों में से एक मानी जाती है। इसका निर्देशन दिवंगत जॉन

अब्राहम ने किया था, जो अपनी राजनीतिक रूप से प्रेरित और अपरंपरागत कहानी कहने की शैली के लिए जाने जाते थे। 'अम्मा अरियान' 1987 में जॉन के निधन से पहले उनकी अंतिम फिल्म थी। इस फिल्म का प्रदर्शन शनिवार को दक्षिणी फ्रांस के फ्रेंच रिदेरा स्थित कान शहर में आयोजित समारोह में हुआ और यह क्लासिक श्रेणी में प्रदर्शित होने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म थी।

इवेंट



मुंबई में आगामी फिल्म 'सिस्टम' के प्रमोशनल इवेंट के दौरान अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतििका सरवन्नन ने कैमरों के सामने पोज दिए।



बॉक्स ऑफिस पर 'करुप्पु' का दबदबा, आयुष्मान खुराना और संजय दत्त की फिल्में फीकी पड़ीं

मुंबई/एजेन्सी

इस शुक्रवार सिनेमाघरों में तीन बड़ी फिल्में के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। सूर्या की एक्शन-ड्रामा फिल्म 'करुप्पु', आयुष्मान खुराना की रोमांटिक-कॉमेडी 'पति पत्नी और वो 2' और संजय दत्त अभिनीत आखिरी सवाल एक साथ रिलीज हुईं। पहले दिन के बॉक्स ऑफिस आंकड़ों ने साफ कर दिया कि दर्शकों का सबसे ज्यादा प्यार सूर्या की फिल्म को मिला है। सैकलनिक के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, 'करुप्पु' ने रिलीज के

पहले दिन देशभर में 14.40 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। आर्थिक दिक्कतों और शुरुआती शांज रह होने जैसी चुनौतियों के बावजूद फिल्म ने दमदार शुरुआत की है। आरजे बालाजी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सूर्या एक ऐसे वकील और योद्धा की भूमिका निभा रहे हैं, जो अदालत और संघर्ष दोनों में अपनी ताकत दिखाता है। फिल्म में तृषा कृष्णन, योगी बाबू, स्वासिका और इंद्रन्स भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। वहीं 'पति पत्नी और वो 2' दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने

में सफल नहीं रही। फिल्म ने पहले दिन केवल 3.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो इसके प्रीकल पति पत्नी और वो की ओपनिंग से काफी कम है।

दूसरी ओर 'आखिरी सवाल' का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा। राजनीतिक पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन महज 40 लाख रुपये की कमाई की। फिल्म में अमित साध और नमाशी चक्रवर्ती भी अहम भूमिकाओं में हैं, लेकिन दर्शकों की प्रतिक्रिया ठंडी रहने से इसका असर कमाई पर साफ दिखाई दिया।

उल्का गुप्ता की 'रजनी की बारात' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

रोमांस, कॉमेडी और मेलोड्रामा से भरपूर फिल्म 'रजनी की बारात' का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज हो गया है। दरभंगा की खूबसूरत लोकेशंस और देसी बिहारी अंदाज में बनी इस फिल्म में अभिनेत्री उल्का गुप्ता एक दमदार किरदार निभाती नजर आ रही हैं। करीब एक मिनट के टीजर की शुरुआत बिहारी स्टाइल 'लौंडा नाब' के अनाउंसमेंट से होती है, जिसके बाद उल्का का दमदार डायलॉग सुनाई देता है, हमको रजन से शादी करनी है। टीजर में कॉमिक, रोमांटिक और इमोशनल पलों का शानदार मिश्रण देखने को मिलता है। टीजर में इशिता सिंह का



संवाद रजन जी से मिलकर स्पेशल तो लगा कहानी में लव ट्रायंगल का ट्रिपल जोड़ता है। वहीं सुनीता राजवार अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को हंसाती नजर आती हैं।

जरीना वहाब और सुनीता राजवार के आंस सीक्रेट भी टीजर का खास अंकुश बन रहे हैं। अंत में पुलिस ऑफिसर के रोल में अश्वथ भट्ट की एंटी और उनका संवाद लव स्टोरी

बहुत प्यारा है सर' कहानी में नए रोमांच का संकेत देता है। टीजर में उल्का गुप्ता, कनिष्क, सुनीता राजवार और अश्वथ भट्ट के किरदारों की दमदार झलक देखने को मिली

है। एपिफेनी एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी 'रजनी की बारात' का निर्माण तनाया आडारकर प्रभु और तेज एच आडारकर ने किया है, जबकि निर्देशन आदित्य अमन ने संभाला है। फिल्म में उल्का गुप्ता, कनिष्क, इशिता सिंह, जरीना वहाब, सुनीता राजवार और अश्वथ भट्ट मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीजर लॉन्च के दौरान उल्का गुप्ता ने कहा कि रजनी का किरदार एक ऐसी लड़की का है, जो अपने प्यार के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। उन्होंने कहा कि फिल्म में इमोशन, कॉमेडी और ड्रामा का बेहद दिलचस्प मिश्रण देखने को मिलेगा। 'रजनी की बारात' 29 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



आचार्यश्री नित्यानंदसूरी के चातुर्मास की तैयारियों के लिए बैठकों का दौर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु शहर के लालबाग रोड स्थित गोडवाड़ भवन में पद्मश्री से सम्मानित गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी का इस वर्ष का चातुर्मास तय है और 19 जुलाई को उनका चातुर्मास मंगल प्रवेश होगा। चातुर्मास की तैयारियों को लेकर अशोककुमार बम्बोली की अध्यक्षता में गोडवाड़ भवन में रविवार को एक बैठक का आयोजन हुआ जिसमें गोडवाड़ महासभा के महामंत्री प्रवीण कुमार चांदावत ने सभी का स्वागत किया। गोडवाड़ भवन ट्रस्ट के वरिष्ठ कुमारपाल सिसोदिया ने आचार्यश्री के नगर प्रवेश, संक्रांति महोत्सव व चातुर्मास प्रवेश के कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।



आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी

गोडवाड़ भवन ट्रस्ट के महामंत्री विक्रम कुमार करबावाला ने बताया कि चातुर्मास के दौरान आराधकों के लिए 50 दिवसीय आराधना, साधना व तपस्या हेतु फॉर्म भरे जा रहे हैं जिसमें 150 से 175 आराधकों के ठहरने व्यवस्था की जा रही है। भवन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष

भंवरलाल करबावाला ने कहा कि भवन में संतों व श्रद्धालुओं की सुविधा व आराधना के लिए भवन में ही चल प्रतिष्ठित प्रतिमाएं विराजित कर अस्थाई मंदिर भी बनाया जा रहा है। बैठक में किरण कांकरिया एवं महीपाल सुराणा ने भी अपने विचार रखे व गुरु वल्लभ के उपकारों का स्मरण किया।

बैठक में भवन ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष राजेश कुमार राठौड़, रमेशकुमार चांदावत, अशोक करबावाला, रंगराज हिंड, महासभा के वसंत सोलंकी, भरत सेमलानी, निर्मल कुमार धोका, गोपाल सिसोदिया, नवरत्नमल पारेख, प्रकाश सोलंकी, प्रतीक मेहता, दर्शन राणावत, दलपत जैन, निहालचंद मेहता, नाराज सेठिया, नरेंद्र गिरिया आदि उपस्थित थे।



कमलसिंह दुगड़ फिर बने तेरापंथी सभा राजराजेश्वरीनगर के अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। तेरापंथी सभा, राजराजेश्वरीनगर की रविवार को आयोजित वार्षिक साधारण सभा तेरापंथ भवन में आयोजित हुई। पूर्व अध्यक्ष मनोज डगा ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए आचार्यश्री व साध्वियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने अपने 2 वर्षीय कार्यकाल की सफलता का श्रेय गुरु, पूर्व अध्यक्ष व टीम, तेयुप व महिला मंडल सहित सभी सहयोगियों को दिया। मंत्री गुलाब बाँठिया ने कार्यकाल की गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। कोषाध्यक्ष देवेन्द्र नाहटा ने आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया।

ज्ञानशाला संयोजिका नीतू बाफना ने ज्ञानशाला, संगठन मंत्री अमित नौलखा ने नए सदस्य अभियान व सदस्यों की जानकारी दी। उपाध्यक्ष सरोज बैद ने राकेश छाजेड़ के अभिनंदन पत्र का वाचन

किया। बैठक में अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। गणपतलाल कोठारी को आगामी दो वर्ष हेतु पुनः अंकेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। चुनाव अधिकारी मनोज डगा एवं सहअधिकारी सुशील भंसाली (छापर) ने चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए चुनाव में एक भी नामांकन प्राप्त न होने का कारण वर्ष 2026-28 के लिए मनोनयन से अध्यक्ष पद हेतु कमलसिंह दुगड़ के नाम की घोषणा की। सदम में उपस्थित सभी सदस्यों ने सहमति दी और दुगड़ का चयन हुआ। राकेश छाजेड़ व उनकी टीम ने नवमनोनीत अध्यक्ष का स्वागत किया। ट्रस्ट, तेयुप, तेयम, समण संस्कृति सभा, ज्ञानशाला परिवार सहित उपस्थित गणमान्य सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाइयां दी। कमल दुगड़ ने सभी को साथ लेकर चलने की अपनी भावना व्यक्त की। सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारी सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। गुलाब बाँठिया ने संचालन किया। निवर्तमान व नए अध्यक्ष ने मंगलवाट श्रावण हेतु साध्वीश्री पावनप्रभाजी के दर्शन किए।



दर्शन

महाराष्ट्र सरकार के गृह, आवास, स्कूली शिक्षा, सहकारिता और खनन राज्य मंत्री पंकज राजेश भोयर ने मुंबई स्थित बीपीएस स्वामीनारायण मंदिर में दर्शन किए। इस दौरान, उन्होंने भगवान स्वामीनारायण का पूजन और अभिषेक किया। मंत्री ने शांति, समृद्धि और महाराष्ट्र की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की।



जयनगर स्थानक में आयोजित रक्तदान शिविर में 38 यूनिट रक्त संग्रहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवारी जैन ट्रस्ट, जयनगर के तत्वाधान में जैन-जी यूथ समूह द्वारा लायंस ब्लड सेंटर के सहयोग से रविवार को जयनगर स्थानक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 38 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। युवा मंत्री गिरिश बोहरा ने रक्तदान कर शिविर का शुभारंभ किया। युवा अध्यक्ष अंकुर खींचा ने सभी

रक्तदाताओं को धन्यवाद दिया। संघ के अध्यक्ष दीपक भंसाली ने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य संस्था की सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। शिविर में सभी रक्तदाताओं को विशेष उपहार एवं ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। चिकित्सीय टीम का सम्मान किया गया। जयनगर संघ के प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि इस अवसर पर संघ का आयोजन किया गया, जिसमें 38 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। युवा मंत्री गिरिश बोहरा ने रक्तदान कर शिविर का शुभारंभ किया। युवा अध्यक्ष अंकुर खींचा ने सभी



संसार में केवल धर्म ही हो सकता है हमारे जीवन का सच्चा साथी : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। श्रमण संघ के डॉ. समकितमुनिजी के साप्ताहिक सोमवार को जैन हिस्से श्रावक संघ, राजाजीनगर के 'स्वास्थ्य भवन' में एक सभा में संतश्री ने मानव जीवन की सबसे बड़ी विडंबना 'इच्छा, तृष्णा और लोभ' पर प्रवचन दिया। उन्होंने कहा कि आज के इंसान की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वह सुख के लिए दुखी नहीं हो रहा है, बल्कि और अधिक दुखी होने के लिए ही दुखी हो रहा है।

जिन भौतिक संसाधनों, धन और संपदा को वह अपना खून-पसीना एक करके इकट्ठा कर रहा है, वह भविष्य में उसे कभी सुख नहीं देगी, बल्कि यही उसके दुखों का सबसे बड़ा कारण बनने वाली है। इस विडंबना को समझते हुए भी आज का व्यक्ति दुख सहकर अंततः दुख ही खरीद रहा है। इंसान की कभी न मिटने वाली तृष्णा पर कड़ा प्रहार करते हुए मुनिश्री ने कहा कि इंसान को दुनिया की सारी दौलत भी मिल जाए, फिर भी उसे वह कम ही लगती है। हम जिसके पीछे पागलों की तरह भाग रहे हैं, मृत्यु के समय वह हमारा साथ देने वाला नहीं है। इस संसार में यदि किसी को अपना सच्चा साथी

बनाना ही है, तो केवल 'धर्म' को बनाओ, क्योंकि यही अंत समय में तुम्हारी आत्मा के साथ जाएगा, बाकी सब यहीं राख हो जाएगा। उन्होंने जीवन जीने का रवर्गिण सूत्र देते हुए कहा कि संसार में रहते हुए वस्तुओं का उपयोग अवश्य करो, लेकिन उन वस्तुओं के साथ अपना 'लगाव' मत रखो। वस्तुओं का होना दुख नहीं है, उनसे आसक्ति होना ही दुखों की सबसे बड़ी जननी है। अधिक संपत्ति होना दुख का कारण नहीं है अपितु उसका त्याग न कर पाना ही भविष्य की दुर्गति है। मुनिश्री ने जैन दर्शन के अथाह संपत्ति के मालिक 'मम्मण सेठ' और अत्यंत निर्धन किंतु संतोषी 'पुनिया श्रावक' का दृष्टांत सुनाया।

इस मार्मिक प्रसंग के माध्यम से उन्होंने स्पष्ट किया कि बाहरी संसाधन और धन-दौलत हमें कभी सुखी नहीं कर सकते, हमारे भीतर का संतोष और 'भीतर की शांति' ही असली परम शांति है। व्यागराजानगर एवं मलेश्वरम संघ से उपस्थित श्रावक संघ ने समकितमुनिजी के समक्ष संबद्धित क्षेत्र में धराने का निवेदन किया। इस अवसर पर राजाजीनगर, मलेश्वरम, श्रीरामपुरम, जैन कॉन्फ्रेंस, स्वाध्याय भवन संघ सहित चेन्नई एवं अन्य नगरों से भी श्रद्धालु उपस्थित थे। संतों का स्वागत संघ के अध्यक्ष निर्मलकुमार बम्ब एवं अन्य ने किया। संचालन गौतमचंद ओस्टवाल ने किया।



तेयुप राजाजीनगर द्वारा सप्त दिवसीय 'सीपीएस' कार्यशाला शुरू

बंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा तेरापंथ भवन में सोमवार को कॉन्फिडेंट पब्लिक स्प्रीकिंग(सीपीएस) की सप्त दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। तेयुप के अध्यक्ष जितेश दक ने उपस्थित सीपीएस प्रशिक्षक निहारिका सिंधी एवं सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। पहले दिन प्रशिक्षिका निहारिका सिंधी ने वक्तव्य कला के महत्व को विस्तार से समझाते हुए कहा कि प्रभावशाली वक्ता के लिए सप्त कुछ केवल शब्द ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, परिधान, मंच पर खड़े रहने का तरीका, संवाद शैली एवं श्रोताओं को आकर्षित करने की क्षमता भी अत्यंत आवश्यक होती है। उन्होंने प्रतिभागियों को आत्मविश्वास के साथ मंच पर अवसर पर सीपीएस के राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोडी, राष्ट्रीय सहप्रभारी सोनू डगा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री अनिमेष चौधरी ने किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



अखिल कर्नाटक मकल कूटा चामराजपेट द्वारा मकल कूटा खेल मैदान में आयोजित 58वें ग्रीष्मकालीन शिविर के समापन समारोह में शिवाथिथियों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने सम्मानित किया। इस मौके पर मुणोत के साथ मकल कूटा के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

जीवन जीने की कला सिखाती है भागवत कथा : पंडित मुरारी दाधीच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। शहर के पीन्या स्थित प्लेटिनम सिटी में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में सक्सेना परिवार के सौजन्य से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ रविवार को हुआ। इस अवसर पर कथा वाचक पंडित मुरारी दाधीच के साप्ताहिक में पोथी व कलश यात्रा निकालकर कलश स्थापना की गई। व्यासपीठ से पंडित मुरारी दाधीच ने पहले दिन कथा में कहा कि अधिक मास को पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है और इस मौके पर ज्यादा से ज्यादा धार्मिक अनुष्ठान करने का बहुत महत्व है। हर तीन वर्ष में आने वाले इस अधिक मास में मनुष्य को धर्म और धार्मिक अनुष्ठान करना अपने जीवन को प्रभुमय बनाना चाहिए। इस मास को पुरुषोत्तम भगवान विष्णु की कृपा पाने और जीवन में आध्यात्मिक उन्नति पाने के लिए विशेष माना गया है। कथावाचक ने कहा कि भागवत कथा कोई साधारण ग्रंथ नहीं है, अपितु इसके श्रवण मात्र से जीवन का कल्याण हो जाता है। भागवत कथा हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। जीवन में यदि मोक्ष प्राप्त करना है तो भागवत कथा का श्रवण अवश्य करना चाहिए।



पंडितजी ने आज की युवा पीढ़ी के बारे में बताते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी अपनी कार्यव्यस्तता के कारण अपने निजी जीवन व परिवार को समय नहीं दे पा रहे हैं, उन्हें चाहिए कि कार्य के साथ परिवार का भी पूरा ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जो अपने माता पिता की सेवा करता है उसके जीवन में कभी भी कोई कष्ट नहीं आता। माता पिता की आज्ञा का पालन करना ही हमारे जीवन का सार है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु उपस्थित थे।



भावरहित क्रिया, धर्म, आराधना मुर्दे का श्रृंगार करने के समान है : कमलमुनि

बंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के अलसूर स्थित जैन स्थानक भवन में विराजित राक्षसंती कर्मलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि महापुरुष के नाम पर अथवा उपासना पद्धति को लेकर कितना भी मतभेद हो, जमीन आसमान का अंतर हो, परंतु सभी का लक्ष्य आत्मा को उच्च भावों से निर्मल और पवित्र बनाना है, पवित्रता का निर्माण करना है। साधना, उपासना में तेर-मेरे, ऊंच और नीच के भावों में मालिनता आती है, नफरत होती है

और वह कर्म बंधन का कारण बनती है। उन्होंने कहा कि किसी भी निमित्त से भावों में निर्मलता आने से सब पाप क्षय हो जाते हैं। भावों के माध्यम से ही आत्मा देवलोको और मोक्ष गति को प्राप्त करती है, सामान्य आत्मा भी महापुरुष की श्रेणी में आ जाती है।

मुनि कमलेशजी ने बताया कि हर धार्मिक क्रिया के पीछे भावों का महत्व है। भाव के बिना की गई क्रिया, धर्म आराधना मुर्दे का श्रृंगार करने के समान है। धर्म वैभव संपत्ति

का चश्मा जिसके ऊपर लगा होता है वह भावों को मूल्यांकन नहीं कर सकता है। संतश्री ने कहा कि मन मंदिर में निरव्याय भाव से पवित्र भावों का संचार होने पर परमात्मा उसके हृदय में विराजमान हो जाते हैं। इस मौके पर संघ के वरिष्ठ सदस्य गौतमचंद छाजेड़, प्रेमचंद खींचा, प्रकाशचंद नाहटा, किशनलाल कोठारी, अभय कुमार बाँठिया, सुनीलकुमार बोहरा, गोपीचंद कोठारी आदि ने संतों का स्वागत किया।

'रेदासनी बॉक्स क्रिकेट कप' के लिए खिलाड़ियों की हुई नीलामी

ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा 7 जून को होगा आयोजन

बंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय ब्यावर संघ के तत्वाधान में ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा आयोजित 'रेदासनी बॉक्स क्रिकेट कप' वीएसपीएल सीजन-4 के लिए 12 पुरुष की और 4 महिला टीम के लिए एक सौ साठ खिलाड़ियों का ऑक्शन सम्पन्न हुआ। ब्यावर संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया, कोषाध्यक्ष दिनेश लोडा, सहमंत्री विनय राठौड़, संगठनमंत्री किशन सोलीवाल के साथ युवा शाखा के अध्यक्ष कुलदीप छाजेड़, उपाध्यक्ष विकास खटोड़, नरेश बोहरा, महामंत्री चेतन रेदासनी, कोषाध्यक्ष हेमंत गुलेच्छा, सहमंत्री भरत कोठारी, सहकोषाध्यक्ष कुणाल मरलेचा ने दीप प्रज्वलन किया। महिला विंग की चंद्रकला डाकलिया, कंचन छाजेड़ एवं सीमा बोहरा ने मंगलारचन किया। वीएसपीएल प्रतियोगिता का आयोजन 7 जून को होगा। प्रतिभागिता के कार्यों का संचालन करने में खेल सभित के यशवंत रांका, रोशन लोडा के साथ भोजन समिति के अल्केस हिंड, मनीष बाफना एवं तकनीकी टीम के महावीर गुगलिया एवं अन्य सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक चेतनकुमार रश्मीदेवी रेदासनी हैं जिन्होंने युवा शाखा कार्यकारिणी के साथ ट्राफी का अनावरण किया। भोजन प्रायोजक पुष्पराज

चंचलदेवी श्रीश्रीमाल परिवार के साथ टी-शर्ट प्रायोजक सज्जनराज कोठारी ने सभी टीमों के लिए टी शर्ट कलर विकल्प का ड्रा निकाला। ऑक्शन प्रायोजक राजेंद्रकुमार अरिहंतकुमार रेदासनी परिवार, खेल ग्राउंड प्रायोजक अनिल कोठारी परिवार, कैप प्रायोजक गुमानचन्द बोहरा परिवार, टॉस का बॉस विजय सिंघवी परिवार, फिट प्रायोजक दिनेश तातेड़ परिवार, शीतल पेय प्रायोजक नौरतमल नाहर परिवार, बूम बूम ओवर प्रायोजक नरेश बोहरा का अर्थ सहयोग प्राप्त हुआ।

टूर्नामेंट हेतु पुरुष वर्ग की बारह टीम मयूर कंप्यूटर मायल्स, तनिष्का त्पान, कुमट वॉरियर्स, मणिधारी पेंथर्स, मा क्रिएशंस, ककड़ वॉरियर्स, गोलेच्छा ग्लेडिएटर्स, हितेन मेवेरिक्स, कोठारी एलजीसी वॉलेंटर्स, एजिमा 100 प्रतिशत क्रिकेटर्स, संवेती वॉरियर्स, पंजाबी तड़का वॉरियर्स के साथ महिलाओं की सूज रूड्स, क्रीस रूड्स, दिनेश एरोसिएट्स, बम्ब व्लास्टर आदि टीमों ने अपने मनचाहे खिलाड़ी खरीदे। ऑक्शन कार्यक्रम में ब्यावर संघ, युवा शाखा, लेडीज विंग के साथ अनेक खिलाड़ी भी उपस्थित थे।